ज्ञानामृत

आपत्तियां मनुष्यता की कसौटी हैं। इन पर खरा उतरे बिना कोई भी व्यक्ति सफल नहीं हो सकता।

पंडित रामप्रताप त्रिपाठी

विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, रविवार, 29 जून 2025 | वर्ष- 10 | अंक- 195 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

न्यूज इन शॉर्ट

प्रस्तावना में बदलाव संभव नहीं, फिर भी 1976 में इसे बदला गया

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आपातकाल को लेकर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में कोई बदलाव नहीं किया जा सकता क्योंकि यह वह बीज है जिस पर यह दस्तावेज

विकसित होता है। लेकिन भारत के अलावा किसी अन्य देश के संविधान की प्रस्तावना में परिवर्तन नहीं किया गया। एक पुस्तक विमोचन समारोह में उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना को 1976 के 42वें संविधान (संशोधन) अधिनियम द्वारा बदल दिया गया। इसमें समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता जैसे शब्द जोड़े गए। हमें इस पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीआर आंबेडकर ने संविधान पर कड़ी मेहनत की थी और उन्होंने इस पर ध्यान केंद्रित किया होगा।

आईपीएस पराग जैन बने रॉ के नए प्रमुख, 1 जुलाई से संभालेंगे पदभार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने पंजाब कैडर के 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी पराग जैन को भारत की विदेशी खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) का नया प्रमुख नियुक्त किया है। वह मौजूदा प्रमुख रवि सिन्हा की

जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 जून 2025 को समाप्त हो रहा है। पराग जैन 1 जुलाई से दो साल के लिए यह जिम्मेदारी संभालेंगे। पराग जैन को आतंकवाद निरोधक विशेषज्ञ माना जाता है, विशेषकर अफगानिस्तान-पाकिस्तान क्षेत्र में उनकी गहरी समझ और पकड़ है। सीमा पार आतंकी नेटवर्क को समझने और डिकोड करने में उनकी विशेषज्ञता के कारण उन्हें रॉ के अगले प्रमुख के तौर पर चुना गया है। उन्हें 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत खुफिया प्रयासों को सफलता-पूर्वक संचालित करने का श्रेय भी दिया जाता है।

अभिनेत्री शेफाली जरीवाला का कार्डिएक अरेस्ट से निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। मनोरंजन जगत से शनिवार देर रात ऐसी खबर आई जिसने न केवल फिल्म और टीवी इंडस्ट्री को बल्कि उनके लाखों प्रशंसकों को स्तब्ध कर दिया। लोकप्रिय अभिनेत्री और मॉडल शेफाली जरीवाला, जिन्हें

लोग प्यार से 'कांटा लगा गर्ल' के नाम से जानते थे, अब हमारे बीच नहीं रहीं। उनकी उम्र महज 42 साल थी और उनकी मौत की वजह कार्डिएक अरेस्ट बताई जा रही है। शेफाली मुंबई के अंधेरी इलाके में स्थित लोखंडवाला में अपने पति पराग त्यागी के साथ रहती थीं। शनिवार की रात लगभग 11 बजे उन्होंने अचानक सीने में तेज दर्द की शिकायत की। जैसे ही हालत गंभीर हुई, पराग और तीन करीबी लोग उन्हें लेकर पास ही स्थित बेलव्यू मल्टीस्पेशालिटी हॉस्पिटल पहुंचे। शेफाली की मौत अस्पताल लाने से पहले ही हो चुकी थी।

रूस में अलगाववाद को बढ़ावा दे रहे पश्चिमी देश: पुतिन

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बार फिर पश्चिमी देशों पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम देश रूस में अलगाववाद को बढ़ावा दे रहे हैं। पुतिन ने बेलारूस की राजधानी मिंस्क में पत्रकारों से

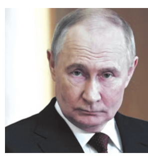

बातचीत के दौरान यह बयान दिया। उन्होंने कहा, किसी को इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) की गतिविधियों की कोई परवाह नहीं है, जब तक वह रूस के खिलाफ काम कर रहा है। मॉस्को में विस्फोट हुए और अब भी हो रहे हैं, लेकिन कोई ध्यान नहीं दे रहा। सब कुछ ठीक माना जाता है, जब तक वह रूस के खिलाफ हो। रूसी राष्ट्रपति ने आगे कहा, ऐसा पहले भी हुआ जब पश्चिम देश सामूहिक रूप से हमारे देश में अलगाववाद को बढ़ावा दे रहे थे। उन्होंने रूस के खिलाफ लड़ाई में आतंकवाद को एक हथियार के रूप में उपयोग किया।

नागपुर में मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने संविधान के महत्व पर जोर दिया, कहा-

धारा 370 हटाने का फैसला स्वीकार किया ताकि देश में एक संविधान रहे

नागपुर, एजेंसी

नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने संविधान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संविधान के केंद्रीकृत होने को लेकर बाबा साहब आंबेडकर की खूब आलोचना की गई थी। आज हम अपनी 75 साल की यात्रा में देख रहे हैं कि जब भी भारत ने किसी संकट का सामना किया है, तो देश एकजुट रहा है। यह संविधान से ही संभव हुआ है।

नागपुर में देश के मुख्य न्यायाधीश ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने के फैसले को लेकर बड़ा दावा किया।

उन्होंने कहा कि देश को एकजुट रखने के एक ही संविधान की जरूरत है। हमने संसद द्वारा लिए गए धारा 370 को हटाने के फैसले को सर्वसम्मति से स्वीकार किया, ताकि देश में एक ही संविधान चले। देश के एक राज्य में अलग संविधान बाबा साहब आंबेडकर की विचारधारा के अनुरूप नहीं था। उन्होंने कहा कि संविधान के केंद्रीकृत होने को लेकर बाबा साहब आंबेडकर की खूब आलोचना की गई थी। बाबा साहब ने उस आलोचना का जवाब देते हुए कहा था कि हम देश को सभी चुनौतियों के लिए उपयुक्त संविधान दे रहे हैं और मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि यह युद्ध और शांति के समय में देश को एकजुट रखेगा। आज हम अपनी 75 साल की यात्रा में देख रहे हैं कि हमारे आसपास क्या स्थिति है? जब भी भारत ने किसी संकट का सामना किया है, तो देश एकजुट रहा है। यह संविधान से ही संभव हुआ है।

कार्यपालिका संविधान और कानून के ढांचे के भीतर काम करती है

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि संविधान ने सरकार के तीन अंगों विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की सीमाएं तय की हैं। कानून बनाना विधायिका और राज्य विधानसभाओं की जिम्मेदारी है, जबकि कार्यपालिका संविधान और कानून के ढांचे के भीतर काम करती है। उन्होंने कहा कि संविधान और नागरिकों के अधिकारों को बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

विधायिका के क्षेत्रों में हस्तक्षेप करने की कोशिश करती है

सीजेआई ने कहा कि अगर न्यायपालिका हर मामले में कार्यपालिका और विधायिका के क्षेत्रों में हस्तक्षेप करने की कोशिश करती है, तो मैं हमेशा कहता हूं हालांकि न्यायिक सरि यता बनी रहेगी, लेकिन इसे न्यायिक दुस्साहस और न्यायिक आतंकवाद में बदलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

भोपाल के ऐशबाग ओवरब्रिज में लापरवाही पर मुख्यमंत्री मोहन सख्त

90 डिग्री का मोड़ बनाने वाली कंपनी ब्लैक लिस्ट, 8 इंजीनियर निलंबित

विजय मत, भोपाल

राजधानी भोपाल के ऐशबाग रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण में हुई गंभीर तकनीकी लापरवाही को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सख्त रुख अपनाया है। प्रोजेक्ट में सामने आई खामियों की जांच रिपोर्ट के आधार पर मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के आठ इंजीनियरों के विरुद्ध कार्रवाई के आदेश दिए हैं। इनमें दो चीफ इंजीनियर सहित कुल सात इंजीनियरों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है, जबकि एक सेवानिवृत्त अधीक्षण यंत्री (एसई) के विरुद्ध विभागीय जांच शुरू की जाएगी।

जनता की सुरक्षा में हम कोई समझौता नहीं करेंगे: मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, ऐशबाग आरओबी प्रोजेक्ट में जो त्रुटियाँ हुई हैं, वे न केवल इंजीनियरिंग लापरवाही की मिसाल हैं, बल्कि जनसुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। हम जनता की सुरक्षा और अधोसंरचना की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करेंगे।

90° का अंधा मोड़ बना बदनामी की वजह

गौरतलब है कि ऐशबाग आरओबी में ब्रिज के शीर्ष पर 90 डिग्री का अंधा मोड़ बना दिया गया था। इस गंभीर तकनीकी चूक के कारण यह प्रोजेक्ट राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आ गया। 17.37 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हो रहे इस पुल की शुरुआत 2022 में हुई थी और इसे अगस्त 2024 तक पूर्ण होना था, लेकिन अब तक कार्य अधूरा है।

विशेष सुधार कमेटी का गठन

मुख्यमंत्री ने ऐशबाग ओवरब्रिज में आवश्यक सुधार कार्यों के लिए एक विशेष तकनीकी कमेटी गठित करने के निर्देश दिए हैं। यह कमेटी निर्माण में हुई त्रुटियों को सुधारेगी और स्ट्रक्चरल करेक्शन के उपरांत ही ब्रिज को जनता के लिए खोला जाएगा। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि सरकार की प्राथमिकता में नागरिकों की सुरक्षा और टिकाऊ बुनियादी ढांचा सर्वोपरि है।

मुख्यमंत्री ने रखी जवाबदेही की नई मिसाल

इस प्रकरण ने न केवल सरकारी परियोजनाओं में पारदर्शिता की आवश्यकता को रेखांकित किया है, बल्कि यह संदेश भी दिया है कि लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की त्वरित और निर्णायक कार्रवाई से स्पष्ट हो गया है कि मध्य प्रदेश सरकार गुणवत्ता, सुरक्षा और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। यह मामला आने वाले समय में अन्य निर्माण परियोजनाओं के लिए जवाबदेही और गुणवत्ता नियंत्रण का मानक बन सकता है।

रतलाम डीजल प्रकरण के बाद प्रदेश के सभी पेट्रोल पंपों की होगी जांच

दोषी पंप संचालक पर एफआईआर

विजय मत, भोपाल

प्रदेश में खराब गुणवत्ता वाले डीजल की आपूर्ति के मामले में सख्ती दिखाते हुए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने प्रदेश के सभी पेट्रोल पंपों की गहन जांच के निर्देश दिए हैं। रतलाम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के काफिले की गाड़ियों में पानी मिला डीजल के मामले को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को हर हाल में उच्च गुणवत्ता का पेट्रोल और डीजल मिलना चाहिए। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को तेल कंपनियों के साथ बैठक कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इरतलाम जिले के डोसीगांव स्थित बीपीसीएल के पेट्रोल पंप 'शक्ति फ्यूल पॉइंट' से डीजल भरवाने के बाद कई वाहनों में खराबी की शिकायतें सामने आई। प्रारंभिक जांच में डीजल में पानी की मिलावट पाई गई। तत्काल कार्रवाई करते हुए खाद्य विभाग के अधिकारियों ने पंप पर छापा मारा और पेट्रोल व डीजल के नमूने लेकर बीपीसीएल की इंदौर स्थित मांगलिया लैब भेजे।

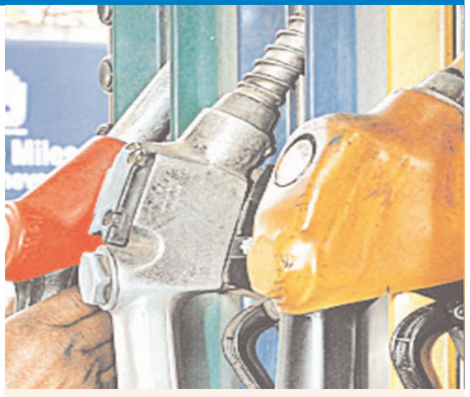

बीपीसीएल ने बारिश को माना वजह

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने गजब सफाई दी है। उन्होंने कहा कि असामान्य भारी बारिश के कारण रतलाम में उसके पेट्रोल पंप पर ईंधन भंडारण टैंकों में पानी घुस गया। बीसीसीएल ने यह भी कहा कि घटना के मद्देनजर पेट्रोल पंप से ईंधन के सैंपल एकत्र किए गए और परीक्षण के लिए भेजे गए हैं। बीपीसीएल ने एक बयान में कहा, हम मध्यप्रदेश के रतलाम में ईंधन स्टेशन शक्ति फ्यूल प्वाइंट पर डीजल टैंक में पानी की मौजूदगी की एक घटना हुई। इससे हमारे ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए गहरा खेद व्यक्त करते हैं, जिसकी वजह से 26 जून, 2025 की शाम को कुछ वाहन प्रभावित हुए। बयान में कहा गया, खाद्य निरीक्षक और तहसीलदार सहित सरकारी अधिकारियों द्वारा किए गए प्रारंभिक निरीक्षण में भूमिगत हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) टैंक में पानी का पता चला। इसके विपरीत पेट्रोल (एमएस) टैंक अप्रभावित रहा। बीसीसीएल ने कहा कि प्रारंभिक आकलन से संकेत मिलता है कि दिन के दौरान क्षेत्र में असामान्य भारी वर्षा के कारण डीजल टैंक में पानी घुस गया।

मध्य प्रदेश के लॉ छात्र को बड़ी राहत

एनएसए के तहत कार्रवाई पर रोक अदालत ने कहा- रिहा करे पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के एक कानून छात्र को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत की गई एहतियाती हिरासत से तुरंत रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने इस हिरासत को पूरी तरह से गलत और असंगत बताया। बता दें कि, ये मामला मध्य प्रदेश के बैतूल जिले का है, जहां अनु उर्फ अनिकेत, जो कि एक कानून का छात्र है, को 11 जुलाई 2024 को एनएसए के तहत हिरासत में लिया गया था। इससे पहले,

विश्वविद्यालय परिसर में एक प्रोफेसर से झगड़े के बाद उसके खिलाफ हत्या की कोशिश और अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज हुई थी। उस वक्त वह पहले से जेल में था, लेकिन उसी दौरान जिला मजिस्ट्रेट ने उस पर एनएसए के तहत एक अलग से कैद का आदेश जारी कर दिया। न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और के. विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा, एनएसए की धारा 3(2) के तहत जो कारण दिए गए हैं, वे एहतियाती हिरासत के लिए उपयुक्त नहीं हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने गिनाईं पद की चुनौतियां, बोले-

अब भी सुनाई देती है गोली की गूंज, राष्ट्रपति होना बेहद कठिन

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हमेशा से ही अपने बयानों के लेकर चर्चा में रहे हैं। इसी बीच उन्होंने अपने राष्ट्रपति बनने और उनके ऊपर लगातार मंडराते खतरों का जिक्र किया। प्रेस वार्ता के दौरान ट्रंप ने कहा कि राष्ट्रपति बनना किसी भी खतरनाक पेशे से कम नहीं है। ट्रंप प्रशासन की तरफ से यह प्रेस वार्ता अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद बुलाई गई थी, जिसमें ट्रंप प्रशासन को व्यापक नीतिगत फैसले लागू करने की छूट दी गई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति का पेशा बहुत खतरनाक पेशा है, क्योंकि मुझे अभी भी कभी-कभी वो थ्रॉबिंग फीलिंग होती है।

राष्ट्रपति बनने के बाद हुआ पेशे के खतरे का अंदाजा... ट्रंप ने कहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद उन्हें इस पेशे के खतरों का असली अंदाजा हुआ। उन्होंने कहा कि रेस कार ड्राइवरों और बुल राइडरों की मृत्यु दर 0.1प्रतिशत है, लेकिन राष्ट्रपति के लिए यह करीब 5% है।

ईरान की ट्रंप को दो टूक, अराघची बोले-

अब भी सुनाई देती है गोली की गूंज, राष्ट्रपति होना बेहद कठिन

तेहरान, एजेंसी

ईरान और इस्राइल के बीच संघर्ष थमने के बाद भी अमेरिका और ईरान के बीच तीखी बयानबाजी चरम पर है। जहां एक तरफ राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान के सर्वोच्च नेता पर जुबानी हमला बोला। तो वहीं दूसरी ओर ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने ट्रंप को इस बात को लेकर चेताया कि अगर ट्रंप समझौता चाहते हैं तो अयातुल्ला खामेनेई के प्रति सम्मानजनक रवैया अपनाएं, वरना ईरान अपनी असली ताकत दिखाएगा, जिससे कई सारे भ्रम टूट जाएंगे। परमाणु कार्यक्रम को लेकर इस्राइल और ईरान के बीच शुरू हुआ संघर्ष अब थम गया है।

ईरान के रास नहीं आता अपमान

अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि ईरानी जनता को धमकियां और अपमान रास नहीं आते। अगर किसी गलतफहमी के कारण अमेरिका कोई और बड़ी गलती करता है, तो ईरान अपनी असली ताकत दिखाने में देर नहीं करेगा।

अमरनाथ यात्रा से पहले बसंतगढ़ में मुठभेड़, जैश का एक आतंकी ढेर

नई दिल्ली, एजेंसी। श्री अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले उधमपुर के बसंतगढ़ में सुरक्षाबलों वीरवार को मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकी को ढेर कर दिया। वहीं, बचे तीन आतंकियों की घेराबंदी कर रखी है। इनके सफाए के लिए सेना

और पुलिस ने ऑपरेशन बिहाली शुरू किया है। बताया जा रहा है कि जैश-ए-मोहम्मद के ये आतंकी पिछले एक वर्ष से सक्रिय रहे हैं। आईजी जम्मू भीमसेन टूटी ने बताया कि वीरवार सुबह पुख्ता सूचना के आधार पर सुबह करीब 8:30 बजे सुरक्षाबलों और पुलिस ने बसंतगढ़ के बिहाली इलाके के जंगलों में संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। सामना होते ही आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बताया कि जवाबी कार्रवाई में एक आतंकी मारा गया। आईजी भीमसेन टूटी के मुताबिक आतंकी एक नाले के नजदीक छिपे हुए हैं। वे भाग न सकें, इसलिए घेराबंदी मजबूत की गई है।

विजय मत एंकर आचार्य विद्यानंद महाराज के शताब्दी समारोह में बोले पीएम मोदी

हजारों वर्षों से अमर है भारत के विचार, दार्शनिक सोच और विश्वदृष्टि

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को दुनिया की सबसे प्राचीन जीवित सभ्यता बताते हुए कहा है कि यह देश हजारों वर्षों से अमर है क्योंकि इसके विचार, दार्शनिक सोच और विश्वदृष्टि शाश्वत हैं। मोदी ने शनिवार को यहां जाने-माने जैन संत आचार्य विद्यानंद महाराज के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ÷ हमारा भारत विश्व की सबसे प्राचीन जीवंत सभ्यता है। हम हजारों वर्षों से अमर हैं, क्योंकि हमारे विचार अमर हैं, हमारा चिंतन अमर है, हमारा दर्शन अमर है। और इस दर्शन के स्रोत हैं- हमारे ऋषि, मुनि, महर्षि, संत और आचार्य! आचार्य श्री विद्यानंद जी मुनिराज भारत की इसी पुरातन परंपरा के आधुनिक प्रकाश स्तम्भ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज राष्ट्र अपनी आध्यात्मिक परंपरा में एक महत्वपूर्ण अवसर देख रहा है। उन्होंने कहा कि आज का दिन एक अन्य कारण से भी विशेष महत्व रखता है क्योंकि 28 जून 1987 को श्री विद्यानंद मुनिराज को औपचारिक रूप से 'आचार्य' की उपाधि प्रदान की गई थी।

पीएम मोदी को 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि से नवाजा गया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को आचार्य विद्यानंद जी महाराज के शताब्दी समारोह में शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी को धर्म चक्रवर्ती की उपाधि से सम्मानित किया गया। पीएम मोदी ने आचार्य विद्यानंद जी महाराज की 100वीं जयंती के अवसर पर उनके शताब्दी समारोह के दौरान डाक टिकट और सिक्के जारी किए। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यह दिन इसलिए भी खास है, क्योंकि 28 जून 1987 को आचार्य विद्यानंद मुनिराज को आचार्य की उपाधि मिली थी। यह सिर्फ सम्मान नहीं था, बल्कि जैन संस्कृति को विचारों, संयम और करुणा से जोड़ने वाली पवित्र धारा भी थी।

यह एक युग और एक महान तपस्वी के जीवन की याद दिलाता है... पीएम मोदी ने आचार्य को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि यह शताब्दी समारोह कोई साधारण आयोजन नहीं है, यह एक युग और एक महान तपस्वी के जीवन की याद दिलाता है। उन्होंने कहा," मैं विशेष रूप से आचार्य श्री प्रज्ञ सागर जी का अभिनंदन करता हूँ, उन्हें प्रणाम करता हूँ। आपके मार्गदर्शन में आज करोड़ों अनुयायी पूज्य गुरुदेव के बताए रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं।

डिजिटल अरेस्ट: 70 वर्षीय डॉक्टर से ठगे तीन करोड़

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में एक 70 वर्षीय महिला डॉक्टर से साइबर अपराधियों ने 3 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। ठगों ने उन्हें डिजिटल अरेस्ट करके आठ दिनों तक डराया-धमकाया। पुलिस के मुताबिक, मई महीने में पीड़िता को एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को टेलीकॉम विभाग का कर्मचारी अमित कुमार बताया और कहा कि उनके नाम से एक सिम कार्ड जारी हुआ है, जो आपराधिक गतिविधियों में इस्तेमाल हो रहा है। इसके तुरंत बाद उन्हें एक और कॉल आया, जिसमें खुद को क्राइम ब्रांच अधिकारी समाधान पवार बताया गया। उसने कहा कि एक मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार एयरलाइन कंपनी के मालिक के घर से पीड़िता के बैंक अकाउंट और डेबिट कार्ड की जानकारी मिली है। एक व्यक्ति ने पुलिस की वर्दी में उनके पति से वीडियो कॉल पर बात की।

न्यूज इन शॉर्ट

जिला स्तरीय रीजनल इण्डस्ट्री, स्किल एण्ड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव संपन्न

उमरिया । उमरिया जिले में जिला स्तरीय रीजनल इण्डस्ट्री, स्किल एण्ड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव का आयोजन कार्यालय परिसर में किया गया। इस अवसर पर राज्य शासन की म0प्र0एमएसएमई विकास नीति अंतर्गत 5 इकाईयों को सिंगल क्लिक के माध्यम से उद्योग विकास अनुदान का वितरण किया गया तथा औद्योगिक क्षेत्र बड़वार में 2 इकाईयो को भू-आवंटन आदेश प्रदाय किए गए, जिनके द्वारा बायोमॉस पैलेट का उत्पादन किया जायेगा। मुख्यमंत्री उद्यम क्रान्ति योजना के तहत 2 हितग्राहियों को राशि रूपये 7,50,000 के ऋण स्वीकृति पत्र वितरण किये गये। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। आसुतोष अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार व्दारा औद्योगीकरण को बढावा देने के लिए रीजनल इंडस्ट्री स्किल एंड एम्प्लायमेंट कान्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है । कान्क्लेव के आयोजन से उद्योग में बढ़ोत्तरी होगी तथा युवाओ को रोजगार भी मिलेगा । उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार व्दारा जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया गया है जिसके तहत पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है। उन्होने उपस्थित जनों से कहा कि सभी जन एक एक पौधे का रोपण निश्चित रूप से करें और उसकी देखभाल करें । अभियान की सार्थकता तभी सिध्द होगी जब रोपित किए गए पौधों की सुरक्षा हो सकेगी। इस अवसर पर आसुतोश अग्रवाल, मिथिलेश पयासी, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र दिनेश मर्सकोले, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक सेवकराम सोनवानी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा एवं सुना गया।

मारपीट करने पर मामला दर्ज

उमरिया। चंदिया थाना अंतर्गत छोटी पाली थाना चंदिया में आरोपी व्दारा फरियादी से गाली गालौज करते हुए मारपीट की गई एवं जान से मारने की धमकी दी गई। जानकारी अनुसार मैकू बैगा की शिकायत पर आरोपी रामलाल बैगा पर पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

जान से मारने की धमकी देने पर मामला पंजीबद्ध

उमरिया। नौरोजाबाद थाना अंतर्गत ग्राम बुढान में आरोपी व्दारा फरियादी से गाली गालौज करते हुए मारपीट की गई। जानकारी अनुसार अनिल कुमार बैगा पिता सुंदर बैगा उम्र 27 साल की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी सुंदर बैगा, सुनील बैगा पर मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

अभिषेक पांडेय एएसओ पद पर चयनित

सीधी।अशोक कुमार पांडेय एवं श्रीमती सरला पांडेय, निवासी

नूतन कॉलोनी के पुत्र अभिषेक पाण्डेय का चयन भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीनस्थ प्रतिष्ठित संस्थान वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद में सहायक अनुभाग अधिकारी के पद पर हुआ है। यह उपलब्धि अभिषेक की अथक मेहनत, निरंतर प्रयास और धैर्य का परिणाम है। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, पत्नी अनुषा शर्मा, छोटे भाई अभिनय पांडेय, संबंधियों, मित्रों और शिक्षकों को दिया है। उनका कहना है कि इन सभी का स्नेह, समर्थन, आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन ही उनकी सबसे बड़ी ताकत रहा।

अमृत सरोवर का कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत ने किया निरीक्षण

उमरिया । मानपुर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत घघराड़ मे फुटहा नाला मुड़गुड़ी पिपराटोला में जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन सप्ताह अंतर्गत अमृत सरोवर का कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अमृत सरोवर का निर्माण कार्य समय सीमा में पूरा किया जाए ताकि इस पानी का उपयोग ग्रामीण जन सहित पशु पक्षी कर सके । कलेक्टर ने अमृत सरोवर के संबंध में सरपंच से पूछताछ की । सरपंच मनोज रैदास ने बताया कि फुटहा नाला मुड़गुड़ी पिपराटोला में निर्मित अमृत सरोवर की लागत 24.84 लाख रूपये है , जिसका निर्माण कार्य जून के प्रथम सप्ताह से प्रारंभ हो गया है । स्वी.त मद मनरेगा एवं 15वां वित्त है । स्वी.त वर्ष 2025-26 है । इसके साथ ही ग्राम में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 5 खेत तालाब के कार्यो में दो खेत तालाब का कार्य पूरा कर लिया गया है , वही तीन कार्य प्रगति पर है । इसी तरह 11 डगवेल के कार्यो में 7 पूरे कर लिए गए है 4 प्रगति पर है । एक अमृत सरोवर का कार्य प्रगतिरत है , जिसे भी समय सीमा में पूरा किया जाएगा । निरीक्षण के दौरान सरपंच मनोज रैदास, सचिव लक्ष्मी कांत तिवारी , एसडीओ, उपयंत्री , पैगाम फाउंडेशन से योगेश खंडेलवाल उपस्थित रहे ।

नौरोजाबाद से शहपुरा मार्ग में सड़क के बीच हुआ विशाल गड्ढा

आवागमन अवरुद्ध होने से दर्जनों गांव प्रभावित

विजय मत, उमरिया

जिले में हो रही जोरदार बारिश से खेत खलिहान पानी से लबालब हो रहे हैं, वहीं यह पानी घटिया कार्यों की पोल भी खोल रहा है। नौरोजाबाद से शहपुरा मार्ग पर छुहाई गांव के पास बीच सड़क पर गहरा गड्ढा हो गया है। करीब 4 फीट चौड़ाई व इतनी ही गहराई के चलते बड़े वाहनों का आवागमन ठप हो गया है। इसका सीधा असर सड़क के दोनों ओर बसे दर्जनों गांव में पड़ रहा है। शुक्रवार को जैसे ही यह खबर क्षेत्र में फैली, लोग परेशान नजर आ रहे हैं। जिले में हो रही जोरदार बारिश से खेत खलिहान पानी से लबालब हो रहे हैं, वहीं यह पानी घटिया कार्यों की पोल भी खोल रहा है। नौरोजाबाद से शहपुरा मार्ग पर छुहाई गांव के पास बीच सड़क पर गहरा गड्ढा हो गया है। करीब 4 फीट चौड़ाई व इतनी ही गहराई के चलते बड़े वाहनों का आवागमन ठप हो गया है। इसका सीधा असर सड़क के दोनों ओर बसे दर्जनों गांव में पड़ रहा है। शुक्रवार को जैसे ही यह खबर क्षेत्र में फैली, लोग परेशान नजर आ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि तेज बारिश के चलते पानी निकासी का इंतजाम अच्छी तरह नहीं किया गया था। नीचे

बिछाए गए सीमेंट पोल का एक बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे धंस गया,कोहका से बरहाई, छुहाई होते हुए नवसेमर तक सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे थे। मेंटेनेंस के लिए कई बार नागरिकों ने प्रशासन के समक्ष आवाज भी उठाई थी। कुछ महीने पहले कोहका से आईटीआई मार्ग का मेंटेनेंस हुआ लेकिन खराब सड़कों के रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया गया। पूर्व में शहपुरा से नौरोजाबाद जाने का पारंपरिक मार्ग पिनौरा, महुरा, देवरी होकर घुलघुली तक था, अब कंचन ओपन माइंस के विस्तार के चलते खदान का हिस्सा बन चुका है। इसके बाद छुहाई होकर जाने वाली गांव की सड़क को ही अब मुख्य मार्ग के रूप में उपयोग किया जा रहा है, जिस पर दिन-रात भारी वाहन, बसें और डंपर चलते हैं। यह दबाव सड़क की स्थिति को और बदतर बना रहा है। मार्ग बाधित होने से छुहाई के आगे बसें नहीं जा पा रही हैं जिससे ग्रामीणों और रोज यात्रा करने वालों को भारी दिक्कतें हो रही हैं। बारिश के मौसम में दोपहिया वाहन भी सुरक्षित नहीं हैं। यात्रियों का कहना है कि सड़क की मरम्मत में लापरवाही बरती गई है, जिसका खामियाज़ा अब आम जनता भुगत रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत ने फलदार पौधों का किया रोपण

पर्यावरण को संतुलित रखने मे पौधों की अहम भूमिका - कलेक्टर

पौधारोपण करने के साथ ही उसकी सुरक्षा का भी संकल्प लें - सीईओ जिला पंचायत

विजय मत, उमरिया

वृक्षारोपण का महत्व हमारे जीवन में अत्यधिक है। वृक्ष न केवल हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, बल्कि वे पर्यावरण को भी संतुलित रखते हैं। वृक्षारोपण से भूमिगत जलस्तर में वृद्धि होती है और मृदा कटाव को रोका जा सकता है। इससे वन्यजीवों को भी आश्रय मिलता है और जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है। उक्त आशय के विचार कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने ग्राम पंचायत घघराड मे फुटहा नाला मुड़गुड़ी पिपराटोला में पौधरोपण के दौरान व्यक्त किए ।

उन्होने कहा कि पेड़ हमारे पर्यावरण के अभिन्न अंग है । धरती पर पेड़ पौधों के अस्तित्व के बिना मानव , जानवरो और अन्य प्रजातियों का अस्तित्व संभव नही है । उन्होने कहा कि रोपित किए गए पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगाए ताकि यह पौधे जीवित बच सके ।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने कहा कि पौधारोपण करने के साथ ही सभी पेड़ों के सुरक्षा का संकल्प लें । जब यही पौध विशालकाय वृक्ष बनेंगे तो उनसे हमें फल के साथ छाया प्राप्त होगी। उमरिया जिला प्रदेश का सबसे हरा भरा जिला हो , इस संकल्प के साथ हम सब अभियान में सहभागी बनें। इस दौरान कटहल, मुनगा, जामुन, आम, नीबू के पौध का रोपण किया गया तथा उसकी सुरक्षा का संकल्प लिया गया । इस अवसर पर सरपंच, सचिव , एसडीओ, उपयंत्री, खंड स्तरीय कर्मचारी, पैगाम फाउंडेशन से योगेश खंडेलवाल उपस्थित रहे ।

विधायक ने हिमांशु तिवारी को अनुशंसा पत्र देकर किया सम्मानित

विजय मत, उमरिया

जिले में उल्लेखनीय उत्कृष्ट कार्य करने पर बांधवगढ़ विधायक शिव नारायण सिंह ने सामाजिक संस्था युवा टीम उमरिया के युवा हिमांशु तिवारी को अनुशंसा पत्र देकर सम्मानित कर उज्जवल भविष्य की कामना की हैं। सामाजिक संस्था युवा टीम उमरिया के द्वारा नशा मुक्ति जागरूकता, जल संरक्षण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, स्वच्छता अभियान, पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान, क्लीन उमरिया ग्रीन उमरिया, मतदाता जागरूकता अभियान, सड़क सुरक्षा अभियान, रक्तदान कैंप, ग्रामीण क्षेत्रों में निशुल्क कोचिंग क्लास, निशुल्क स्वास्थ्य शिविर, निशुल्क योग शिविर,बाल विवाह,बाल मजदूरी, बाल संरक्षण

एवं आदि उल्लेखनीय कार्य किए गए। बांधवगढ़ विधायक शिवनारायण सिंह ने युवा टीम उमरिया की सराहना करते हुए कहा कि निस्वार्थ भाव से सेवा देने वाले हिमांशु तिवारी व उनकी युवा टीम अनेक प्रकार के अभियानों के माध्यम से लोगो को पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, पौधारोपण महा अभियान व ब्लड डोनेशन कैम्प आयोजित कर ग्रामीण क्षेत्र के वासियों को जागरूक करने का सराहनीय कार्य कर रहे हैं।

धरती आबा अभियान के तहत विभिन्न ग्राम पंचायतों में शिविर संपन्न

विजय मत, उमरिया

सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग डा पूजा व्दिवेदी ने बातया कि धरती आबा जन जातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जन जातीय समुदायों को सशक्त बनाने के लिए 15 जून से जनपद पंचायतों के चयनित ग्रामों में कैंप का आयोजन किया जा रहा है। उन्होने बताया कि 28 जून को करकेली विकासखंड के ग्राम पंचायत पिनौरा मे शिविर आयोजित किया गया जिसमें पिपराडी, आमाडोगरी, मरदरी, बडागांव, मसूरपानी के ग्रामीण जन शामिल हुए । इसी तरह मानपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत इंदवार में शिविर आयोजित किया गया जिसमें बहेरवाह, भोलगढ़, छाप नंबर 1, चितरांव, दमोय, धनवाही, बसेही, डोंगरीटोला, इंदवार, झाल,

बटुरावाह, नदावन, कठार के ग्रामीण जन शामिल हुए ।

शिविर के माध्यम से आधार कार्ड, पीएम आवास, आयुष्मान भारत कार्ड, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम उज्जवला योजना, वन अधिकार पट्टा, आयुष्मान कार्ड, सामाजिक सुरक्षा वृध्दावस्था पेंशन, एलपीजी गैस कनेक्शन, जन धन खाता, बीमा योजना, पीएम सुरक्षा मातृत्व अवकाश, राशन कार्ड, पीएम विश्वकर्मा, पीएम मातृत्व योजना, पीएम आवास योजना, टीकाकरण स्किल, मछली पालन हेतु हितग्राहियों का चिन्हांकन करने के साथ ही अन्य योजनाओ की जानकारी से अवगत कराया गया।

उन्होने बताया कि 29 जून को करकेली विकासखंड के ग्राम पंचायत बंधवाटोला, तथा मानपुर जनपद पंचायत के इंदवार में शिविर का आयोजन किया जाएगा।

जिम्मेदारी से करें दायित्व निर्वहन- डीईओ, साक्षरता समीक्षा बैठक संपन्न

विजय मत, उमरिया

शिक्षक समाज का आइना होता है बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु अपने दायित्व का निर्वहन जिम्मेदारी से करें अन्यथा की स्थिति में उचित कार्यवाही की जायेगी उक्त विचार जिला शिक्षा अधिकारी आर एस मरावी ने व्यक्त किए चंदिया में आयोजित नव भारत साक्षरता कार्यक्रम समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा शासन के निर्देशानुसार समय सीमा में सभी कार्य करना हमारी जिम्मेदारी है।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या चंदिया में आयोजित समीक्षा बैठक में बीईओ करकेली जे आर मिथलेश ने कहा हमे उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत लक्ष्य अनुसार शत प्रतिशत सर्वे पूर्ण कर स्वयं सेवी अक्षर साथी के माध्यम से अध्ययन केन्द्र संचालन सुनिश्चित

करना है सभी संकुल समन्वयक जन शिक्षक मानीटरिंग करें।

बीआरसीसी विनय चतुर्वेदी ने कहा यदि मन में दृढ इच्छा शक्ति हो तब सारे कार्य संभव हो जाते हैं हमे टीम भावना से समय सीमा में लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

उल्लास नव भारत साक्षरता प्रशिक्षण सह समीक्षा बैठक में विकास खंड सह समन्वयक रवि शंकर मिश्रा, एम आर सी विनोद मिश्रा, प्राचार्य कन्या एवं बालक चंदिया कौडिया सहित जन शिक्षक संकुल समन्वयक एवं संस्था प्रमुख उपस्थित रहे।

जिला जेल में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित

विजय मत, सीधी

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी प्रयाग लाल दिनकर एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री ऋषभ सिंह द्वारा जिला जेल सीधी में शनिवार दिनांक 28/06/2025 को विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजन के साथ जिला जेल सीधी का निरीक्षण किया गया। उक्त शिविर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्रयाग लाल दिनकर ने बंदियों से अधिवक्ता, जेल में भोजन की गुणवत्ता, चिकित्सकीय मेल-मिलाप तथा अन्य समस्याओं के संबंध में पूछताछ की तथा बंदियों को उनके अधिकार संबंधी जानकारी दी। सचिव मुकेश कुमार शिवहरे ने जागरूकता शिविर में बंदियों को विधिक सहायता, उनके अधिकार, अपीलीय अधिकार, जमानत के अधिकार, प्ली वार्गेनिंग तथा सालसा की योजना की जानकारी दी। शिविर में चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा ने उपस्थित बंदियों को अपील एवं पेरोल के अधिकार तथा विधिक सहायता योजना की जानकारी दी गई। उक्त शिविर में जेल अधीक्षक रविशंकर सिंह, उप जेल अधीक्षक कृष्ण कुमार तिवारी, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल ऋषभ सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के कर्मचारी रूपेन्द्र कुमार मिश्रा सहित समस्त जेल स्टाफ उपस्थित रहे।

प्रवीण का महिला सुरक्षा डिवाइस बना राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रेरणा केंद्र, सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने की मॉडल की सराहना

विजय मत, सीधी

जिले के कुसमी विकासखंड अंतर्गत शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुसमी के छात्र प्रवीण कुमार सिंह पिता राघवेन्द्र सिंह ने स्पायर अवार्ड योजना के तहत आयोजित राज्य स्तरीय वैज्ञानिक मॉडल प्रतियोगिता में जिले का नाम रोशन किया है। प्रवीण का महिला सुरक्षा पर आधारित अभिनव उपकरण चयनित हुआ, जो जीपीएस आधारित अलर्ट सिस्टम पर कार्य करता है। यह डिवाइस जूते या बैग से जुड़ा होता है, जिसे छूते ही घर में मौजूद फोन पर ÷सेव मी÷ संदेश स्वतः चला जाता है, जिससे किसी संकट की स्थिति में त्वरित सहायता मिल सके। यह प्रतियोगिता उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 1 में शनिवार को आयोजित हुई, जिसमें सांसद डॉ.

राजेश मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी पवन सिंह, विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य, अधिकारीगण व शिक्षकगण शामिल थे।

तीन जिलों के कुल 106 विद्यार्थियों में से 10 प्रतिभागियों के मॉडल राज्य स्तर के लिए चयनित किए गए, जिनमें कुसमी विकासखंड से चार छात्रों को यह गौरव प्राप्त हुआ। प्रवीण की इस उपलब्धि में उनके माता-पिता, विद्यालय प्राचार्य एवं मार्गदर्शक शिक्षकों का विशेष योगदान रहा। उनके समर्पण और परिश्रम का यह फल पूरे जिले के लिए गर्व का विषय बन गया है।इस अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा सीधी जिले में कला की अपार संभावनाएं हैं। यहां के छात्र और शिक्षक मिलकर विज्ञान और नवाचार में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। इस तरह की प्रतियोगिताएं बच्चों को प्रेरणा देने का कार्य करती हैं और समाज में जागरूकता लाती हैं। प्रवीण सहित चयनित सभी विद्यार्थियों को बधाई और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

मौसम

कुसमी में सीपरी सॉफ्टवेयर के उपयोग से सीरीज ऑफ फॉर्म पौंड का चयन किया गया

भरे हुए खेत तालाबों को देखकर कृषकों के चेहरे खिले

विजय मत, सीधी

जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून 2025 के तहत प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा किसानों को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से हितग्राही मूलक कार्य मनरेगा योजना से कराए जाने हेतु निर्णय लिया गया। योजना का क्रियान्वयन मनरेगा योजना के जिला कार्यक्रम समन्वयक कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी एवं अतिरिक्त कार्यक्रम समन्वयक अंशुमन राज के निर्देशन में ''सीपरी सॉफ्टवेयर'' के उपयोग से सीरीज ऑफ फॉर्म पौंड का चयन किया गया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य खेत का पानी खेत में रोकना है ताकि कृषकों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी की उपलब्धता बनी रहे जिससे फसल उत्पादन बढ़ने के साथ आय में भी वृद्धि हो।

इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु जनपद पंचायत कुसमी के सीईओ ज्ञानेंद्र मिश्रा, एपीओ अजय द्विवेदी एवं एई सरिता सिंह के

द्वारा योजना के सही कियान्वयन हेतु प्राप्त लक्ष्य 370 को जनपद की 42 पंचायतों में विभक्त कर प्रत्येक पंचायत में 9 से 10 खेत तालाबों को बनाए जाने हेतु सकारात्मक प्रयास किए गए जिसके परिणाम स्वरूप कुसमी जनपद द्वारा वनांचल क्षेत्र होने के बावजूद शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया गया है।आज ग्राम पंचायत गोतरा एवं रामपुर के कृषकों द्वारा बनाए गए खेत तालाबों के बारे में वहां के हितग्राहियों हरिहर गोस्वामी, रामचंद्र शुक्ल, बच्चू लाल बंसल (गोतरा) एवं विश्वनाथ, दिनेश रामपुर द्वारा बताया गया कि इस बार समय पर वर्षा होने के कारण वर्षा का पानी खेत तालाबों में ही एकत्र हो गया है जिसका उपयोग हम इस बार धान की फसल में करेंगे तथा उम्मीद जगाई कि इस बार धान की अच्छी पैदावार कर पाएंगे। ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक के द्वारा खेत तालाबों के निर्माण में परस्पर सहयोग प्रदान किया गया।

विजय मत, भोपाल। भोपाल में शनिवार को पटेल नगर इस्कॉन मंदिर की भोपाल टॉकीज से माता मंदिर तक भगवान श्री जगन्नाथ शोभा यात्रा निकाली।

न्यूज इन शॉर्ट

फैक्ट्री से खाना-खाने घर आया युवक और लगा ली फांसी

भोपाल(ईएमएस)। अशोका गार्डन थाना इलाके में बीती दोपहर एक युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया गया है की मृतक फैक्ट्री से खाना-खाने के लिए घर आया था। बाद में जब शाम के समय उसकी मां काम से वापस घर लौटी तब उसे बेटे को शरीर फांसी के फंदे पर लटका नजर आया। थाना पुलिस के अनुसार गायत्री नगर, झुग्गी में रहने वाला अंकुश पटेल पिता हेतराम पटेल (21) औद्योगिक क्षेत्र स्थित जूही इलेक्ट्रिकल फैक्ट्री में काम करता था। उसके पिता भी फैक्ट्री में ही काम करते हैं, और मॉ भी निजी काम करती है। परिवार में भाई और भाभी भी है। उसके भाई-भाभी बीती 26 जून को धार्मि दर्शन के लिये राजस्थान गए हुए है। शुक्रवार को अंकुश सहित परिजन भी अपने-अपने काम पर चले गए थे। दोपहर करीब एक बजे अंकुश फैक्ट्री से खाना खाने के लिए घर आया और कमरे में फांसी लगा ली। बाद में जब शाम के समय मां घर पहुंची तब उसे अंकुश का शरीर गमछे से बने फांसी के फंदे पर लटका नजर आया। आसपास के लोगो की मदद से अंकुश के शव को फंदे से उतारकर इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जॉच के बाद शव को पीएम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मौके से ऐसा कोई सुराग नहीं मिला है, जिससे खुदकुशी का कारण साफ हो सके, हालांकि शुरुआती जॉच में पता चला है कि मृतक को शराब पीने की काफी अधिक लत थी। पुलिस आगे की जॉच कर रही है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से मां-बेटी घायल

भोपाल(ईएमएस)। कोलार थाना इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने दो पहिया वाहन से जा रही मां-बेटी को टक्कर मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने बताया की राजहर्ष कालोनी में रहने वाली ज्योति गुर्जर घरेलू महिला हैं। बुधवार सुबह वह अपनी बेटी को दो पहिया वाहन से स्कूल छोडने जा रही थी। बैरागढ़ चीचली के पास पहुंचने पर पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार चालक ने लापरवाही पूर्वक कार चलाते हुए उनके वाहन को टक्कर मार दी। एक्सीडेंट में मां-बेटी चलते वाहन सहित सड़क पर गिरकर घायल हो गई। गंभीर रूप से घायल बेटी को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके बाद बीते दिन थाने पहुंचकर टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ शिकायत की पुलिस उसकी पहचान जुटाने के प्रयास कर रही है।

9

कार ने बाइक से जा रहे पिता-पुत्री को लिया चपेट में, बेटी गंभीर

भोपाल(ईएमएस)। कटारा हिल्स थाना इलाके में स्थित एक निजी कॉलेज के सामने तेज रफ्तार कार ने बाइक से जा रहे- पिता-पुत्री को टक्कर मार दी। हादसे में पिता को मामूली चोंट आई है, जबकि पीछे बैठी बेटी गंभीर रूप से घायल हुई है। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। टक्कर मारने के बाद आरोपी कार चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। शिकायत मिलने पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक इन्द्रा नगर मंडीदीप रायसेन में रहने वाले देवेंद्र मेश्राम (52) निजी काम करते हैं। गुरुवार को उनकी बेटी मोना मेश्राम (22) की परीक्षा थी, जिसका सेंटर सेज यूनिवर्सिटी में होने के कारण वह मंडीदीप से बाइक से बेटी को पेपर दिलाने के लिए निकले थे। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे पिता-पुत्री सेज यूनिवर्सिटी के सामने पहुंचे और मेन रोड पर ब्रेकर होने के कारण देवेंद्र ने बाइक की रफ्तार कम की। तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। बाइक में पीछे की और से टक्कर लगने के बाद पिता और बेटी सड़क पर गिर गए। वहीं कार चालक तेजी से कार लेकर मौके से भाग गया। एक्सीडेंट में पिता देवेंद्र को मामूली चोट आई थी, लेकिन बेटी मोना मेश्राम को सिर, पैर, कमर में व घुटने में चोट आई है। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। जॉच टीम का कहना है कि जल्द ही फरार कार चालक की पहचान जुटाकर उसे गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

ऑटो खड़ा करने के विवाद में भिड़े पड़ोसी, एक दूसरे से जमकर मारपीट

- टॉमी मारकर सिर फोड़ा, कांउटर मामला दर्ज

भोपाल(ईएमएस)। शहर के ऐशबाग थाना इलाके में स्थित अहाता मनकशा में घर के सामने गेट पर ऑटो खड़ा करने को लेकर जारी मनमुटाव

मुख्यमंत्री ने जौरासी में निर्मित अम्बेडकर धाम का किया अवलोकन

डॉ. भीमराव अम्बेडकर के समाज हित में किए गए कार्यों को भुलाया नहीं जा सकता : मोहन

- डॉ. अम्बेडकर धाम के द्वितीय चरण का कार्य शीघ्र होगा प्रारंभ

विजय मत, भोपाल

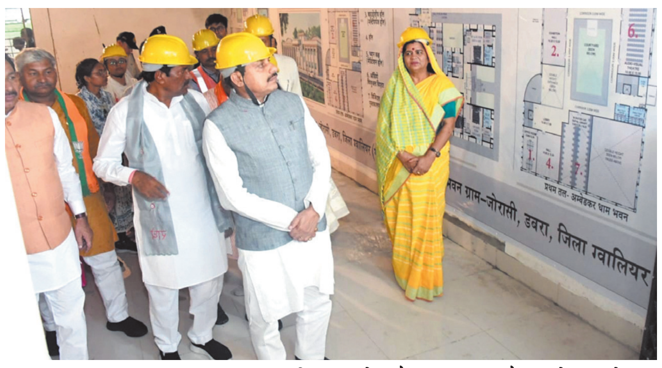

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा समाज हित में जो कार्य किए गए हैं उनका हम स्मरण करते हैं। उनके द्वारा किए गए कार्यों को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर में बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर के नाम से स्मारक बनाने का पुनीत कार्य किया जा रहा है। इसके द्वितीय चरण के विकास कार्यों का भूमिपूजन शीघ्र होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को ग्वालियर के जौरासी में निर्माणाधीन डॉ. भीमराव अम्बेडकर धाम का अवलोकन करते हुए यह बात कही।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर धाम के अवलोकन के अवसर पर कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना, क्षेत्रीय सांसद भारत सिंह कुशवाह, विधायक मोहन सिंह राठौर, पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी सहित जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी और नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर में निर्मित किए जा रहे बाबा अम्बेडकर धाम के द्वितीय चरण का निर्माण कार्य भी शीघ्र प्रारंभ किया जायेगा। मेरे साथ केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, क्षेत्रीय सांसद भारत सिंह कुशवाह सहित वरिष्ठजन भूमिपूजन करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा समाज में किए गए कार्यों को सदैव याद किया है। हमने मऊ में डॉ. अम्बेडकर के भव्य स्मारक का निर्माण कराया और हर साल अम्बेडकर की जयंती पर वहाँ कुंभ लगाने का कार्य भी किया जा रहा है। ग्वालियर के जौरासी में भी डॉ. अम्बेडकर धाम का भव्य निर्माण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जौरासी में निर्मित अम्बेडकर धाम में डिजिटल लाइब्रेरी, म्यूजियम, ऑडिटोरियम, कॉन्फ्रेंस हॉल आदि का निर्माण किया जा रहा है। धाम के द्वितीय चरण में अन्य आधुनिक सुविधाओं को भी जोड़ा जायेगा।

राज्य सरकार मुश्किल वक्त में हर गरीब और जरूरतमंद के साथ हैः मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार जनहितैषी कार्यक्रम और योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और सामान्य वर्ग के गरीब परिवारों सहित सभी के जीवन में समृद्धि आए, इस उद्देश्य से परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश में संवेदनशील सरकार है और हम हर मुश्किल वक्त में गरीब और जरूरतमंद के साथ खड़े हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवास के खिवनी अभ्यारण्य क्षेत्र में वन विभाग के अमले द्वारा की गई कार्यवाही के संबंध में जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह को खिवनी पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने निर्देशित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन विभाग को भी निर्देश दिए गए है कि ऐसी कोई कार्यवाही नहीं करें, जिससे वर्षाकाल में लोगों को परेशानी हो। प्रदेश में नियम प्रक्रियाओं का पालन करते हुए सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों को दिया जा रहा है।

प्रेस काम्प्लेक्स नाले के आवश्यक सुधार/निर्माण कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कर त्वरित गति से पूर्ण कराएं

- महापौर मालती राय ने प्रेस काम्प्लेक्स स्थित नाले का निरीक्षण कर दिए निर्देश

विजय मत, भोपाल

महापौर मालती राय ने एम.पी.नगर प्रेस काम्प्लेक्स क्षेत्र का निरीक्षण कर यहां स्थित नाले के आवश्यक सुधार/निर्माण कार्यों को शीघ्रता से प्रारंभ करते हुए सभी कार्यों को त्वरित गति से संपन्न कराने के निर्देश दिए। महापौर राय ने नालों सहित अन्य स्थानों की बेहतर ढंग से सफाई कराने और नाला-नालियों के बहाव को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। इस दौरान जोन क्र. 12 के सहायक यंत्री यांत्रिक एवं सहायक स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य अधिकारी, व्यापारी व स्थानीय नागरिक मौजूद थे।

महापौर मालती राय ने शनिवार को जोन क्र. 12 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 43 के एम.पी.नगर स्थित प्रेस काम्प्लेक्स क्षेत्र में साफ-सफाई व्यवस्था एवं नाले का अवलोकन किया। महापौर राय ने इस दौरान स्थानीय रहवासियों एवं निगम अधिकारियों से चर्चा भी की और नाले की सफाई एवं आवश्यक मरम्मत कार्यों की जानकारी प्राप्त की। महापौर राय ने प्रेस काम्प्लेक्स क्षेत्र में बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने, नाला-नालियों के बहाव को व्यवस्थित रखने तथा जहां आवश्यक है वहां त्वरित गति से नाला-नालियों की सफाई कर बहाव को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए।

नौकरी दिलाने का झांसा देकर नाबालिग को बुलाया चार युवकों ने किया सामूहिक दुष्कर्म, सभी गिरफ्तार

विजय मत, ब्यूरो, सीहोर

सिहोर जिले में एक नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। नौकरी दिलाने के बहाने चार युवकों ने नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। यह घटना बुधनी तहसील के ग्राम पीली करार है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात 26 जून को हुई।

पुलिस के अनुसार नर्मदापुरम निवासी पीड़िता 16 साल की है। वह पहले एक दुकान पर काम करती थी। जहां, उसकी पहचान 20 साल के करण से हुई थी। करण ने किसी से उसका मोबाइल नंबर लेकर बात करना शुरू किया। पीड़िता ने बताया कि कम पैसे मिलने के कारण उसने 18 जून को नौकरी छोड़ दी थी। 26 जून को करण ने उसे फोन कर भोपाल चौराहे पर बुलाया, वहां मिलने पर करण ने कहा कि वह उसे नौकरी दिला देगा। इसके लिए पहले बुधनी में स्थित पीली करार अपने किराए के मकान में चलने को कहा। पीड़िता उसकी बातों में आ गई और उसके साथ कमरे पर चली गई। जहां उसे जबरदस्ती शराब पिलाई और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान उसके तीन दोस्त धर्मेन्द्र कीर, प्रदीप कीर, प्रियांशु सराठे कमरे में आए और तीनों ने बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद धर्मेन्द्र कीर उसे अपनी बाइक से नर्मदापुरम छोड़ आया।

घर पहुंचकर परिजनों को बताई आपबीती

पीड़िता किसी तरह घर पहुंची और परिजनों को पूरी बात बताई। पीड़ित अपनी मां के साथ रात 1 बजे थाने पहुंची, जहां उसने पूरी घटना के बारे में बताया। पुलिस ने तत्काल भारतीय न्याय संहिता की धारा, अनुसूचित जनजाति अधिनियम और पास्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी करन कीर निवासी बालाभेंट, धर्मेन्द्र कीर निवासी बालाभेंट जिला नर्मदापुरम एवं प्रदीप कीर, प्रियांशु सराठे निवासी ग्राम डोंगर वाड़ा जिला नर्मदापुरम को गिरफ्तार कर लिया।

पत्नी, प्रेमी समेत तीन को आजीवन कारावास, पत्थर से सिर कुचल कर की थी पति की हत्या

जबलपुर। पत्नी ने अपने प्रेमी और उसके साथी के साथ पति की हत्या को अंजाम दिया। मामले में सुनावाई करते हुए विशेष न्यायाधीश गिरीश दीक्षित ने पत्नी सहित तीनों को दोषी करार दिया है। न्यायालय ने तीनों को आजीवन कारावास की सजा से दंडित करते हुए चार-चार हजार रुपये के अर्थदंड की सजा से दंडित किया है। अभियोजन के अनुसार मझगवॉ थानान्तर्गत निवासी आषीष चौधरी राजमिस्त्री का काम करता था। उसका विवाद मनीषा उर्फ साधना से हुआ था। युवक की पत्नी के गांव में रहने वाले धर्मेन्द्र उर्फ धन्नू से प्रेम संबंध थे, जिसकी जानकारी उसके पति को लग गयी थी। प्रेम संबंध में रोड़ा बनने के कारण पत्नी ने अपने प्रेमी धर्मेन्द्र तथा उसके साथी अमिल उर्फ चालीस के साथ पति की हत्या का षड्यंत्र रचा था। निर्धारित योजना के तहत पत्नी ने युवक को घर का सामान लगाने के लिए 25 सितंबर 2022 को कुम्ही गांव के साप्ताहिक बाजार बाजार भेजा था।

निगम अमले ने विभिन्न स्थानों से हटाए अतिक्रमण ठेले, लोहे की चादरे, बोर्ड, बैंच, काउंटर आदि किए जप्त

विजय मत, भोपाल

नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने तथा अवैध निर्माणों को तोड़ने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सीएम हेल्प लाईन, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत सड़कों, फुटपाथों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अवैध रूप से दुकानों के बाहर रखे सामान, ठेले, गुमठी, लोडिंग आटो, नालियों पर अवैध रूप से रखी गई फर्सियां, जाली आदि सहित अन्य प्रकार के अतिक्रमणों को हटाते हुए ठेले, लोहे की चादर, बोर्ड, बैंच आदि जप्त किए। निगम अमले ने एनजीटी की कार्यवाही के तारतम्य में ग्रीन बेल्ट में किए गए अवैध निर्माणों को श्रमिकों के माध्यम से तोड़ा तथा जिला प्रशासन की कार्यवाही में सहयोग करते हुए मैनिट चैराहे से चूना भट्टी तक सड़कों, फुटपाथो आदि पर अवैध रूप से बने शेड, दुकानें तथा मटके वालों के अतिक्रमणों को हटाया साथ ही ई-7 अरेरा कालोनी में अवैध रूप से बनें 01 मकान का कमरा भी तोड़ा। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने शनिवार को मैनिट चैराहे से चूना भट्टी चैराहे तक, शाहपुरा, कोलार रोड डीमार्ट, चूना भट्टी, सर्वधर्म कालोनी, ललिता नगर, बागसेवनिया, जाटखेड़ी, जवाहर चैक, सरस्वती नगर, एम.पी.नगर, लिंक रोड नं. 01,02 एवं 03, भेल संगम कालोनी, दानिश नगर, अशोका गार्डन, आजाद मार्केट, गांधी नगर आदि क्षेत्रों में अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए नाली पर अवैध रूप से रखी फर्सियां व जाली आदि को हटाया साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों, फुटपाथों एवं सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण कर लगाये गये 03 ठेले, 01गुमठी, 01 काउंटर, 03 लोहे की चादरें, 01 लोहे के फ्रेम सहित अन्य प्रकार की सामग्री जप्त की।

विजय मत एंकर

जल गंगा संवर्धन अभियान में उद्यानिकी कृषकों की सक्रिय भागीदारी

मध्य प्रदेश के 4.77 लाख हेक्टेयर में फल उद्यान तैयार

विजय मत, भोपाल

शासन और समाज के समन्वय से जल संरक्षण, जल स्त्रोतों के पुर्नजीवन और जन-जागरूकता को समर्पित ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ में प्रदेश के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग ने भी महती भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल और प्रेरणा से 30 मार्च से प्रारंभ किए गए अभियान में उद्यानिकी अमले और उद्यानिकी कृषकों की भागीदारी उल्लेखनीय रही है। इस अभियान में डेढ़ लाख से अधिक कृषकों द्वारा सक्रिय भागीदारी निभाई गई।

अभियान के अन्तर्गत जल के उचित प्रबंधन के प्रति जागरूकता के लिए प्रदेश के सभी 313 विकासखंडों में 812 ÷पानी चौपाल÷ का आयोजन किया गया है, इन में एक लाख 21 हजार से अधिक कृषक भाई सम्लिलित हुए। यह ÷पानी चौपाल÷ ÷वन-वे'' नहीं टू-वे कम्यूनिकेशन पर केन्द्रित रही, जिनमें किसानों द्वारा अपने गांव, खेतों में बने प्राकृतिक स्त्रोतों के संरक्षण, संवर्धन और पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार पर विचार रखे गये। पानी चौपाल के माध्यम से कृषकों को पौध-रोपण के लिए समझाया गया कि कम से कम 2 से 3 आयु वर्ष के पौधों का ही रोपण किया जाए, इनके जीवित रहने की संभावना अधिक रहती है। वर्तमान में प्रदेश की विभिन्न नर्सरियों में 25 लाख से अधिक जीवित पौधे है, जो इच्छुक किसान भाई प्राप्त कर सकते हैं।

कृषक भाइयों को पानी के महत्व को समझाने के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत ÷पर ड्राप-मोर क्रॉप÷ अभियान भी चलाया गया। जल गंगा संवर्धन अभियान में 12 हजार 488 हेक्टेयर क्षेत्र में इस पद्धति से सिंचाई के लिए लगभग 27 हजार कृषकों द्वारा ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीयन कराया गया है, जो एक उपलब्धि है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में 5000 हेक्टेयर में फलदार पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, 25 जून तक प्रदेश में 6231 कृषकों द्वारा 3998 हेक्टेयर में फलदार पौध-रोपण कराया गया है। इनमें आम, अमरूद, नीबू, आंवला जैसे पौधों की प्रचुरता है।

अभियान के तहत एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि प्रदेश में कितने क्षेत्र में कौन से फल उद्यान है। उनका आंकलन करना, फिर उत्पादन की मांग, क्षेत्र के आधार पर उसके विक्रय, फूड प्रोसेसिंग प्लान करना, ब्रांड वैल्यू बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित करना रहा है। वर्तमान में प्रदेश में 4.77 लाख हेक्टेयर में फल उद्यान है इनमें सर्वाधिक क्षेत्र में संतरा 1 लाख 31 हजार 386 हेक्टेयर, आम 66 हजार 748 हेक्टेयर, अमरूद 57 हजार 81 हेक्टेयर, आंवला 32 हजार 455 हेक्टेयर, नीबू 28 हजार 290 हेक्टेयर, बेर 13 हजार 553 हेक्टेयर, कटहल 9306 हेक्टेयर, केला 34 हजार 864 हेक्टेयर, पपीता 14 हजार 352 हेक्टेयर तथा 89 हजार 241 हेक्टेयर क्षेत्र में अन्य फलों का उत्पादन किया जा रहा है।

एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, नर्सिंग चयन परीक्षा 2025 में शामिल होने की मिली अनुमति

भोपाल। मध्यप्रदेश के चर्चित नर्सिंग घोटाले के व्हिसलब्लोअर और एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार को जबलपुर उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने उन्हें स्वस्ष्ट नर्सिंग चयन परीक्षा 2025 में सम्मिलित होने की अनुमति प्रदान की है यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और दिनेश कुमार पालीवाल की बेंच द्वारा पारित किया गया । रवि परमार ने परीक्षा फॉर्म पूरी पारदर्शिता से भरा था तथा उन्होंने अपने विरुद्ध नर्सिंग घोटाले के खिलाफ छात्रहितो की लड़ाई के दौरान दर्ज हुए एफआईआर की जानकारी प्रस्तुत की थी। एफआईआर होने के आधार पर मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने उनका फार्म निरस्त कर दिया था।

रिश्वत लेते पकड़ा गया कृषि विभाग का अधिकारी, लोकायुक्त सागर की बड़ी कार्रवाई

विजय मत, भोपाल

लोकायुक्त पुलिस सागर ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कृषि विभाग के वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी (एसएडीओ) को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा हैं। जानकारी के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र बिल्हरा निवासी सुनील कुमार जैन की सागर शहर की बड़ी सब्जी मंडी में ÷कृषक खुशहाली÷ नामक कृषि दवाइयों की दुकान है। इस दुकान का लाइसेंस कृषि विभाग से जारी होता है और उसका नवीनीकरण लंबित था। साथ ही, पीसी (प्रिंसिपल सर्टिफिकेट) दर्ज करने और मक्का की सैंपल रिपोर्ट उनके पक्ष में देने के लिए आरोपी अधिकारी संतोष कुमार जैन, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी, द्वारा 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगी गई। आवेदक ने 27 जून को इस रिश्वतखोरी की शिकायत लोकायुक्त कार्यालय में दर्ज कराई थी। पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त योगेश्वर शर्मा ने निरीक्षक के.पी.एस. बेन को जांच सौंपते हुए शिकायत का सत्यापन कराया। इस दौरान आरोपी ने पहले 10 हजार रुपये ले लिए और शेष 50 हजार रुपये की मांग की।

लोकायुक्त पुलिस टीम ने शनिवार को उप पुलिस अधीक्षक संजय जैन के नेतृत्व में निरीक्षक के.पी.एस. बेन के निर्देशन में ट्रैप कार्रवाई की। टीम ने बड़ी सब्जी मंडी स्थित आवेदक की दुकान पर आरोपी संतोष कुमार जैन को 50 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। फिलहाल आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जा रही है। इस कार्रवाई में ट्रैप टीम प्रभारी उप पुलिस अधीक्षकसंजय जैन, निरीक्षक अभिषेक वर्मा सहित लोकायुक्त पुलिस की टीम शामिल रही।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

युद्ध को ईरान और इजराइल को नुकसान के लिए अमेरिका जिम्मेवार

यूरेनियम का 400 किलोग्राम भंडार - जो 10 परमाणु हथियार बनाने के लिए पर्याप्त है, संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अमेरिकी प्रसारक एबीसी न्यूज को बताया - पिछले सप्ताह वाशिंगटन द्वारा तीन ईरानी परमाणु सुविधाओं पर छह बंकर बस्टर गिराए जाने के बाद लापता हो गया है। गायब यूरेनियम - जिसे ईरान के लिए एक शक्तिशाली सौदेबाजी चिप के रूप में देखा जाता है, जब भी वह अमेरिका के साथ नए परमाणु समझौते पर बातचीत फिर से शुरू करने का विकल्प चुनता है - 60 प्रतिशत तक समृद्ध है। परमाणु हथियार के रूप में उपयोग किए जाने के लिए इसे लगभग 90 प्रतिशत तक समृद्ध किया जाना चाहिएऐसी रिपोर्टें हैं कि ईरान ने हमले से कुछ दिन पहले ही भंडार के साथ-साथ कुछ उपकरणों को गुप्त स्थान पर ले जाया होगा, यह दावा इईरान अगर परमाणु हथियार हासिल कर लेता है, तो यह मध्य पूर्व और आस-पास के क्षेत्रों के लिए व्यापक रूप से अस्थिरकारी होगा। पहली चिंता यह है कि ईरान के पास परमाणु हथियार होने से इजरायल के लिए एक बड़ा, शायद अस्तित्वगत खतरा पैदा हो जाएगा - एक ऐसी चिंता जिसने इजरायल को जून 2025 में ईरान के परमाणु और सैन्य प्रतिष्ठानों पर बड़े पैमाने पर हमला करने के लिए प्रेरित किया। अन्य विदेश नीति विशेषज्ञों का कहना है कि अगर ईरान इजरायल पर परमाणु हमला करता है, तो वह अपनी खुद की मौत सुनिश्चित कर लेगा, जो अमेरिका का करीबी रक्षा साझेदार है और जिसके पास खुद के परमाणु हथियार हैं, जो अघोषित हैं। विश्लेषकों का कहना है कि किसी भी तरह से, गलत अनुमान लगाने की खतरनाक संभावना होगी, जिसके परिणामस्वरूप परमाणु आदान-प्रदान हो सकता है। एक अतिरिक्त चिंता यह है कि ईरान के पास परमाणु हथियार होने से सऊदी अरब सहित अन्य क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी अपने स्वयं के कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित हो सकते हैं।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

बलिदान दिवस - डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी

दुर्गादास उइके

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के लिए राष्ट्र सर्वोपरि था इसलिए उन्होंने सत्ता का त्याग करके देश की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। वह एक देश में दो विधान दो प्रधान और दो निशान के विरुद्ध थे, इसलिए डॉक्टर मुखर्जी ने स्वतंत्र भारत का पहला राष्ट्रवादी आंदोलन खड़ा किया था। भारत के पुनर्निर्माण के उद्देश्य से डॉक्टर मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना की थी आज यदि हम जम्मू कश्मीर में बिना परमिट के जा सकते हैं और पश्चिम बंगाल भारत का अभिन्न अंग है तो इसके पीछे डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान है। राष्ट्रीय एकता अखंडता के पर्याय, महान शिक्षाविद, प्रखर राष्ट्रवादी, चिंतक, विचारक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

डॉ मुखर्जी ने शिक्षा और औद्योगिक क्षेत्र में सुधार के लिए भी बहुत अभिनव कार्य किए। वे शिक्षा की गुणवत्ता और शोध कार्यों के भी बहुत बड़े पक्षधर थे। कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने एवं देश के एकता और अखंडता के लिए उनका त्याग समर्पण और बलिदान हम देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। मानवता के उपासक,प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, महान शिक्षाविद,जनसंघ संस्थापक व हमारे पथ प्रदर्शक परम श्रद्धेय डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था हम उन्नति करेंगे हम एक होंगे हम एक ऐसे देश में रहेंगे जिसका भाग्य केवल हमारे बच्चों के हाथ में होगा जहां एक स्वतंत्र और हिंदुस्तान का झंडा हमेशा शांति,प्रगति और आजादी की प्रतिष्ठा की घोषणा करेगा।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने एक बार कहा था जो भी कार्य आरंभ करें उसे गंभीरता से पूर्ण करें और तब तक संतुष्ट न हो जब तक अपना सर्वश्रेष्ठ ना दे दे। जहां हुए बलिदान मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है यह नारा जो सच हुआ आज कश्मीर शांत और अखंड भारत का हिस्सा है धारा 370 अब कड़वा अतीत बन गई है और 35 से पूरी तरह से खत्म हो चुकी है। हमारे पथ प्रदर्शक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने कहा था वही राष्ट्र वास्तव में महान है जिसके पास सैनिक शक्ति और ताकत है, किंतु वह राष्ट्र स्वार्थ हेतु उनका दुरुपयोग नहीं करता है। मित्रों उस काल में जम्मू कश्मीर की समस्या को पहचानने तथा इसके समूल निस्तारण के लिए पुरजोर आवाज उठाने वाले पूज्य डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ही थे। 1947 के बाद सत्ता में आई कांग्रेस के द्वारा देश पर थोपी जा रही अभारतीयता तथा आयातित पश्चिमी विचारधाराओं का तार्किक विरोध कर भारत,भारतीय तथा भारतीयता के शाश्वत विचारों के अनुरूप राजनीतिक विकास देश को देने वाले डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ही हमारे अग्रदूत, हमारे पथ प्रदर्शक थे। आज की भारतीय जनता पार्टी का परिदृश्य,स्वरूप,आधारशिला, आधार स्तंभ,प्रकाश पुंज डॉ मुखर्जी ही है। उन्होंने 1951 में भारतीय जन संघ की स्थापना की जो बाद में 1980 को भारतीय जनता पार्टी का आधार बना, उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू सरकार में उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्य किया किंतु कांग्रेस की गलत नीतियों तुष्टीकरण से लेकर भारतीय संस्कृति के शाश्वत मूल्य के विरुद्ध कार्य करने वाली राष्ट्रीय विरोधी कांग्रेस से त्यागपत्र दे दिया था एवं संसद में एक मजबूत विपक्ष के रूप में कार्य किया तथा सरकार की गलत नीतियों पर सवाल उठाने तथा संसद में जनता की आवाज बनकर भारत का प्रतिनिधित्व एक सांसद के रूप में किया। अखिल भारतीय हिंदू महासभा के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, सांप्रदायिक सद्भाव और सामाजिक न्याय के लिए काम किया, बंगाल के विभाजन के बाद उन्होंने शरणार्थियों के पुनर्वास के लिए काम किया और उनके अधिकारों के रक्षा के लिए आवाज उठाई।

डॉ मुखर्जी जी का जीवन वृत्त-6 जुलाई 1901 को कोलकाता के अत्यंत प्रतिष्ठित परिवार में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का जन्म हुआ, उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। वे देश के प्रख्यात शिक्षाविद के रूप में प्रसिद्ध थे, डॉ मुखर्जी ने 1917 में मैट्रिक पास किया तथा 1921 में बीए की उपाधि प्राप्त की, 1923 में लॉ की उपाधि अर्जित की तथा वे विदेश चले गए और 1926 में इंग्लैंड से बैरिस्टर बन कर स्वदेश लौटे। अपने यशस्वी पिता का अनुसरण करते हुए उन्होंने भी अल्पायु में ही विद्या अध्ययन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलताएं अर्जित कर ली थी। 33 वर्ष की अल्पायु में ही वह कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति बने इस पद पर नियुक्ति पाने वाले वह सबसे कम उम्र के व्यक्ति थे। एक विचारक, चिंतक, शिक्षाविद,प्रख्यात वक्ता के रूप में उनकी ख्याति निरंतर देश में बढ़ती चली गई।

राजनैतिक जीवन-आदमी भाइयों बहनों डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने स्वेच्छा से राष्ट्रीय अलग जगाने के उद्देश्य से राजनीति में प्रवेश किया डॉ मुख़र्जी सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक और सिद्धांत वादी थे उन्होंने बहुत से गैर कांग्रेसी हिंदुओं की मदद से कृषक प्रजापति से मिलकर प्रगतिशील गठबंधन का निर्माण किया इस सरकार में वह वित्त मंत्री बने। इसी समय में सावरकर जी के राष्ट्रवाद के प्रति आकर्षित हुए और हिंदू महासभा में सम्मिलित हुए। मुस्लिम लीग की राजनीति से बंगाल का वातावरण दूषित हो रहा था। वहां सांप्रदायिक विभाजन की नौबत आ रही थी। सांप्रदायिक लोगों को ब्रिटिश सरकार प्रोत्साहित कर रही थी। ऐसी विषम परिस्थितियों में उन्होंने संकल्प लिया कि बंगाल के हिंदुओं की उपेक्षा ना हो, जनसंघ की स्थापना, उसे समय डॉक्टर मुखर्जी ने बंगाल और पंजाब के विभाजन की मांग उठाकर प्रस्तावित पाकिस्तान का विभाजन कराया और आधा बंगाल और आधा पंजाब खंडित भारत के लिए बचा लिया, गांधी जी और सरदार पटेल के अनुरोध पर वह भारत के पहले मंत्रिमंडल में शामिल हुए उन्हें उद्योग जैसे महत्वपूर्ण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई। संविधान सभा और प्रांतीय संसद के सदस्य और केंद्रीय मंत्री के नाते उन्होंने शीघ्र ही अपना विशिष्ट स्थान बना लिया किंतु उनके राष्ट्रवादी चिंतन के चलते अन्य नेताओं से मध्य बराबर बने रहे, फ्लैट राष्ट्रीय हितों की प्रतिबद्धता को अपने सर्वोच्च प्राथमिकता मानने के कारण उन्होंने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया उन्होंने एक नई पार्टी बनाई जो उसे समय विरोधी पक्ष के रूप में सबसे बड़ा दल था अक्टूबर 1951 में भारतीय जनसंघ का उद्भव हुआ।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

> डॉ साहब ने कहा था - राष्ट्रीय एकता की धरातल पर ही सुनहरे भविष्य के नींव रखी जा सकती है।राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले भारतीय जन संघ के तत्कालीन अध्यक्ष एवं महान राष्ट्र नायक एवं राष्ट्रवादी राजनीति के पुरोधा पूज्य डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर शत-शत नमन वंदन करते हैं आपको हम सभी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के रूप में देश को एक ऐसा दूरदर्शी नेता मिला जिसने भारत की समस्याओं के मूल कारणों वह स्थाई समाधानों पर जोर दिया और उनके लिए जीवन पर्यंत संघर्ष किया सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर केंद्रित जनसंघ और आज की भारतीय जनता पार्टी डॉक्टर मुखर्जी की ही दूरदर्शिता परिणाम है।

एससीओ में रक्षामंत्री का चीन-पाक को कड़ा संदेश

ललित गर्ग

भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के पोर्ट सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। घोषणापत्र में बलोचिस्तान की चर्चा की गई थी किन्तु पहलगाम के क्रूर आतंकवादी हमले जिनमें धर्म पूछकर 26 लोगों को मारे जाने का कोई विवरण नहीं था। भारत की आतंकवाद को लेकर दोहरे मापदंड के विरुद्ध इस दृढ़ता एवं साहसिकता की चर्चा विश्वव्यापी हो रही है। भारत ने विश्व को आगाह कर दिया है कि अब आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मापदंड नहीं चलेंगे। राजनाथ सिंह के अडिगता एवं असहमति के इस कदम से एससीओ के रक्षामंत्रियों का सम्मेलन बिना संयुक्त वक्तव्य जारी किये ही समाप्त हो गया, जो पाकिस्तान एवं चीन के मुंह पर करारा तमाचा है। ऐसा होना भारत की ही जीत है और चीन-पाकिस्तान के लिये शर्मसार होने की घटना है। विशेषतः इस घटनाक्रम से चीन की बदनीयत एक बार फिर से उजागर हो गई है। भारत विश्व स्तर पर इस कोशिश में लगा रहता है कि आतंकवाद का दबाव कम हो, दुनिया आतंकमुक्त बने, निर्दोष लोगों की क्रूर आतंकी हत्याओं पर विराम लगे, पर दुर्भाग्य से दुनिया में अनेक देश अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर ही इस पर अपना रुख तय करते हैं। वास्तव में एससीओ की बैठक में भी यही हुआ है। त्रासद विडंबना है कि एससीओ में शामिल देशों ने भारत में पडोसी देश पाक की आतंक घटनाओं पर विसंगतिपूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण रवैया अपनाया। वास्तव में, यह एक और प्रमाण है कि पाक पोषित आतंकवाद संबंधी भारतीय शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इस बीच, अमरनाथ यात्रा से ठीक एक सप्ताह पहले गुरुवार को उधमपुर जिले में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ सोचने पर मजबूर करती है। पाक की आतंकी हरकतें रूक नहीं रही है, अमरनाथ यात्रा पहले ही आतंकियों के निशाने पर रही है और इस बार भी आतंकियों के निशाने पर है, विगत तीन दशक से तनाव की स्थिति में ही अमरनाथ यात्रा हो रही है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

विभागों की मलाई पर तकरार-भ्रष्टाचार पर कैसे होगा वार?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर आज सारी दुनियाँ कहीं ना कहीं भ्रष्टाचार के दंश से अर्थव्यवस्था में कमजोरी महसूस कर रही है, क्योंकि यह भ्रष्टाचार रूपी काली कमाई भ्रष्टाचारियों द्वारा बेहद सस्पेंस वाली जगह पर छुपा कर रखा जाता है,जो अर्थव्यवस्था के सरकुलेशन में काम नहीं आती। मसलन 2000 के नोटों की लंबी राशि चलन में नहीं आ रही थी यानी मतलब साफ है भ्रष्टाचार्यों के पास लॉक हो गई थी,नतीजा नोटों की नोटबंदी ही पर्याय था। परंतु बहुत ताजुब की बात है एक ओर जहां सरकार भ्रष्टाचार जीरो टॉलरेंस करने कमर कसकर भिड़ी हुई है दूसरी ओर हमेशा देखा जाता है की राजनीति में सहयोगी पार्टी या पार्टी के अंदर ही पार्टी के कद्दावर नेताओं में मंत्रालय के विभागों की मलाई पर तकरार होती है, यानें सरकारी टेंडर में परसेंटेज के मामले होते हैं,इसीलिए ही 40 या 50 पेर्सेंट के आरोप प्रत्यारोप राजनीति में सभी बातें एक दूसरे के ऊपर लगाते रहते हैं अक्सर चुनाव जीते हुए व्यक्तियों से लेकर मंत्री व चपरासी से लेकर उच्च पदासीन अधिकारी इसमें शामिल होते हैं तो फिर भ्रष्टाचार की जीरो टॉलरेंस नीति का क्या अर्थ हुआ? जो रेखांकित करने वाली बात है, जिसका सटीक उदाहरण महाराष्ट्र के एक नेता पर गृहमंत्री होने के बावजूद 100 करोड़ प्रतिमाह का आरोप लगा था वो जेल भी गए थे। ऐसे अनेक आरोप राजनीतिज्ञों मंत्रियों पर लगते रहते हैं जो रेखा रेखांकित करने वाली बात है, जिससे क्लियर होता है कि भ्रष्टाचार ऊपर से लेकर नीचे की ओर चलता है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगेविभागों की मलाई पर तकरार, भ्रष्टाचार पर कैसे होगा पलटवार! तथा भ्रष्ट प्लस अचार एट द रेट ऑफ भ्रष्टाचार, लोक निर्माण सरकारी टेंडर गृह परिवहन मंत्रालयों को आखिर क्यों मलाई वाला विभाग कहा जाता है?

केवल सरकारी कार्यों में घोटाले करना ही भ्रष्टाचार नहीं है, बल्कि अपने आदर्शों से समझौता करना और निजी लाभ के लिए किसी अन्य को पीड़ा पहुंचाना भी भ्रष्टाचार है।दूधवाले का दूध में पानी मिलाना भी भ्रष्टाचार है और शिक्षक का कक्षा में ना पढ़ाना भी भ्रष्टाचार है। अधिकारी का काम ना करना भी भ्रष्टाचार है और काम के बदले रिश्वत मांगना भी भ्रष्टाचार है। टैक्स चोरी करना भी भ्रष्टाचार है और यातायात के नियमों को ना मानना भी भ्रष्टाचार है।सीमित शब्दों में कहें तो भ्रष्टाचार केवल सरकारी योजनाओं में घोटाले करना ही नहीं है बल्कि निजी स्वार्थ सिद्धि हेतु किया गया हर गलत आचरण ही भ्रष्टाचार है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार से आर्थिक दुष्प्रभाव की करें तो,भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव पड़ता है. मसलन, भ्रष्टाचार के चलते सड़क कमजोर बनायी जाती है, जिससे वह जल्दी टूट जाती है, इस फॉर्मूले के अनुसार भारत और चीन की विकास दर कम होनी चाहिए थी, क्योंकि ये देश ज्यादा भ्रष्ट हैं,परंतु वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है।भारत और चीन की विकास दर अधिक है।भ्रष्टाचार का दुष्प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि भ्रष्टाचार से प्राप्त रकम का उपयोग किस प्रकार किया जाता है।मान लीजिए एक करोड़ रुपये के सड़क बनाने के ठेके में से 50 लाख रुपया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया, सड़क घटिया बनी. प्रश्न उठता है कि घूस की 50 लाख की रकम का उपयोग किस प्रकार हुआ यदि इस रकम को शेयर बाजार में लगाया गया तो भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव कुछ घटता है,दक्षिणी अमेरिकी देशों एवं भारत में यह अंतर साफ है। दक्षिण अमेरिका के नेताओं ने घूस की रकम को स्विट्जरलैंड के बैंकों में जमा करा दिया। नतीजा विकास में गिरावट आयी,परंतु भारतीय नेताओं ने स्विस बैंकों में जमा कराने के साथ- साथ घरेलू उद्यमियों के पास भी रकम जमा करायी। यदि घूस की रकम का निवेश किया जाये, तो अनैतिक भ्रष्टाचार का आर्थिक सुप्रभाव भी पड़ सकता है।मान लीजिए सरकारी निवेश में औसतन 70 फीसदी रकम का सदुपयोग होता है, जबकि निजी निवेश में 90 फीसदी का, ऐसे में यदि एक करोड़ रुपये को भ्रष्टाचार के माध्यम से निकाल कर निजी कंपनियों में लगा दिया जाये, तो 20 लाख रुपये का निवेश बढ़ेगा।अर्थशास्त्र में एक विधा 'बचत की प्रवृत्ति' के नाम से जानी जाती है। अपनी अतिरिक्त आय में से व्यक्ति कितनी बचत करता है उसे 'बचत की प्रवृत्ति' कहा जाता है। गरीब की 100 रुपये की अतिरिक्त आय हो, तो वह 90 रुपये की खपत करता है और 10 रुपये की बचत. तुलना में अमीर को 100 रुपये की अतिरिक्त आय हो, तो वह 10 रुपये की खपत करता है और 90 रुपये की बचत करता है.मान लीजिए अमीर इंजीनियर ने गरीब किसान से 100 रुपये की घूस ली। गरीब की आय में 100 रुपये की गिरावट आयी, जिसके कारण बचत में 10 रुपये की कटौती हुई. परंतु अमीर इंजीनियर ने 100 रुपये की घूस में 90 रुपये की बचत की. इस प्रकार घूस के लेनदेन से कुल बचत में 80 रुपये की वृद्धि हुई। अमीर द्वारा गरीब का शोषण सामाजिक दृष्टि से गलत होते हुए भी आर्थिक दृष्टि से लाभकारी हो गया।भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव पड़ता है। मसलन, भ्रष्टाचार के चलते सड़क कमजोर बनायी जाती है, जिससे वह जल्दी टूट जाती है। इस फॉर्मूले के अनुसार भारत और चीन की विकास दर कम होनी चाहिए थी, क्योंकि ये देश ज्यादा भ्रष्ट हैं। परंतु वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत और चीन की विकास दर अधिक है. भ्रष्टाचार का दुष्प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि भ्रष्टाचार से प्राप्त रकम का उपयोग किस प्रकार किया जाता है.मान लीजिए एक करोड़ रुपये के सड़क बनाने के ठेके में से 50 लाख रुपया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया. सड़क घटिया बनी. प्रश्न उठता है कि घूस की 50 लाख की रकम का उपयोग किस प्रकार हुआ।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

> साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के अर्थ को समझने की करें तो, भ्रष्टाचार शब्द दो शब्दों की संधि से बना है - भ्रष्ट +आचार, जिनके निम्न अर्थ हैं- भ्रष्ट=दूषित,गंदा, अनैतिक गलत,आपराधिक,आचार=आचरण, व्यवहार,कार्यकलाप कार्य,तो सीधे शब्दों में कहें तो भ्रष्टाचार का तात्पर्य उस कार्य से है जो गलत हो, अनैतिक हो, आपराधिक हो या दूषित हो।हमारे राजनेताओं की कृपा से आजकल यह शब्द मुख्यतया राजनैतिक संदर्भ में प्रयोग होता है लेकिन सामान्यतया हर वह आचरण भ्रष्टाचार है जो कि किसी गलत उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अनैतिक ढंग से और दुर्भावना से किया जाए।

शब्द पहेली - 8412

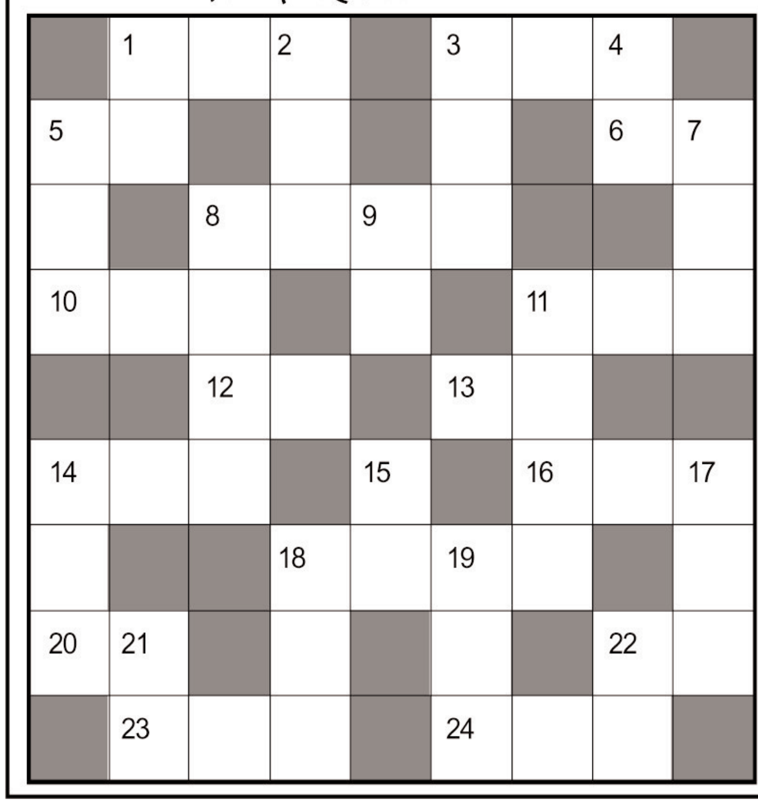

बाएँ से दाएँ

1. सरस्वती-3
3. किनारा,तट-3
5. मूल्य,कीमत-2
6. उस समय-2
8. प्रबंध,व्यवस्था-4
10. नमक-3
11. अधीन,मातहत-3
12. संज्ञा,संबोधन-2
13. मार्ग,रास्ता-2
14. तीर्थ,धार्मिक यात्रा-3
16. धुन,आसक्ति-3
18. जमानत-4
20. रहस्य-2
22. पुत्र,तनय-2
23. मुलायम-3
24. गंवार,अनपढ़-3

ऊपर से नीचे

1. संध्या,सांझ-2
2. असुर,दैत्य-3
3. शोरबा,रसा-3
4. बुरी आदत-2
5. प्रवेश,एडमिट-3
7. वर यात्रा,दूल्हे का जुलूस-3
8. प्रियतम,साजन-4
9. अनाज-2
11. सनसनी,रोमांच-4
14. तृतीय-3
15. सच्चाई,सत्य-2
17. जिसकी नाक कटी हो, वादा फरामोश-3
18. मुंशी,दीवान-3
19. रवैया,तरीका-3
21. आम जनता-2
22. लता,लतिका-2

शब्द पहेली -8411 का हल

	ना	ह	र			आ		सी
रॉ		म		फ	स	ल		ल
क	म	ला	क	र		म	ही	न
		व		क	म		र	
ब	ना	र	स		द	र	क	ना
	जु		म	य		ख		
अ	क	ल		ती	मा	र	दा	री
स		क	र	म		खा		स
ली		वा			ह	व	न	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

29 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	कर्क में
मंगल	सिंह में
बुध	कर्क में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मेष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कर्क	06.37 बजे से
सिंह	08.53 बजे से
कन्या	11.05 बजे से
तुला	13.15 बजे से
वृश्चिक	15.30 ब.से
धनु	17.46 बजे से
मकर	19.51 बजे से
कुंभ	21.38 बजे से
मीन	23.10 बजे से
मेष	00.41 बजे से
वृष	02.21 बजे से
मिथुन	04.19 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 180 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 09.15 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 06.34 बजे को समाप्त।
योग वज्र 17.59 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 09.15 बजे तदनन्तर बव 21.14 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 03.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 13'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872390
जूलियन दिन 2460855.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 03

दिन का चौघड़िया				
उद्वेग	05.56	से	07.23	बजे तक
चर	07.23	से	08.51	बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18	बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46	बजे तक
काल	11.46	से	01.14	बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41	बजे तक
रोग	02.41	से	04.09	बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36	बजे तक

रात का चौघड़िया				
शुभ	05.36	से	07.09	बजे तक
अमृत	07.09	से	08.41	बजे तक
चर	08.41	से	10.14	बजे तक
रोग	10.14	से	11.46	बजे तक
काल	11.46	से	01.19	बजे तक
लाभ	01.19	से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.51	से	04.24	बजे तक
शुभ	04.24	से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

बिना लाइसेंस खाद, बीज का विक्रय करने वाले किराना दुकान व्यापारी पर हुई कार्यवाही

शहडोल। किसानों को गुणवत्ता युक्त रासायनिक उर्वरक,बीज तथा कीटनाशक दवाएं उपलब्ध कराने के लिए विक्रय करने वाले दुकानों का औचक निरीक्षण करने तथा कार्यवाही करने के निर्देश कृषि विभाग के अमले को दिये गये हैं।

उप संचालक कृषि आरपी झारिया ने जानकारी दी है कि शहडोल जिले के जनपद पंचायत बुढार के ग्राम कोलमीछोट का कृषि विभाग के मैदानी अमले द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान किराना व्यवसाय तीरथ प्रसाद शुक्ला के दुकान एवं गोदाम में बिना लाइसेंस के अवैध बीज भंडारण पाए जाने पर जब्त एवं सुपुर्द की कार्यवाही बीज अधिनियम के तहत की गई। इस अवसर सहायक संचालक कृषि रमेन्द्र कुमार सिंह , कृषि विकास अधिकारी रेखा अहिरवार,शिशुपाल सिंह राजपूत, नायब तहसीलदार शिवकुमार सिंह उप निरीक्षक मृगेंद्र सिंह मरावी उपस्थित रहें।

शान उल्ला खान को ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी का जिला अध्यक्ष नियुक्त

शहडोल। ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी के राष्ट्रीय संरक्षक समसुल हसन, राष्ट्रीय अध्यक्ष दानिश खान, प्रदेश अध्यक्ष तनवीर कुरेशी ,राष्ट्रीय सचिव राशिद खान की अनुशंसा पर शहडोल जिले के वरिष्ठ समाजसेवी सामाजिक क्षेत्र में वर्षो से कार्य करने वाले शान उल्ला खान को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है । शान उल्ला ,अति शीघ्र पूरे जिले में कमेटी गठित गठित करेंगे । जिसका मुख्य उद्देश्य है कि सभी जाति धर्म के सम्मान करते हुए समय-समय पर होने वाले त्यौहार, उत्सव पर ऑल इंडिया त्योहार कमेटी त्योहारों को शानदार तरीके से मनाने के लिए आम लोगों को प्रेरित करेगी और सामाजिक क्षेत्र में कार्य करें। नियम अनुसार और त्योहारों के मौके पर होने वाले प्रोग्राम का विशेष तौर पर ख्याल रखा जाएगा ।समय-समय पर शासन की गाइडलाइन के अनुसार त्योहारों के प्रोग्राम को विशेष सहयोग प्रदान किया जाएगा । शान उल्ला कहा है की ऐसी उम्मीद है कि इससे समाज को एक नई दिशा मिलेगी।

समस्त प्रकार की वृक्षो के प्रजातियों के परिवहन हेतु अनुज्ञा पत्र होगा अनिवार्य

शहडोल। अपर सचिव मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग के द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि मध्यप्रदेश अभिवहन (वनोपज) नियम, 2000 के अधीन समस्त प्रकार की वृक्ष प्रजातियों के परिवहन हेतु अनुज्ञा पत्र की अनिवार्यता रहेगी। जारी आदेश में कहा गया है कि राजपत्र में प्रकाशित समसंख्यक अधिसूचना 24.09.2015 से विभिन्न 53 वृक्ष प्रजातियों को अभिवहन पास से छूट दी गई थी। तत्पश्चात् राज्य शासन द्वारा राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना दिनांक 11.04.2017 से संशोधन करते हुए कुल 62 वृक्ष प्रजातियों को अभिवहन पास से मुक्त किया गया था।

जिले में 27 जून को 7.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

शहडोल। अधीक्षक भू-अभिलेख शहडोल ने जानकारी दी है की जिले में 27 जून को जिले में कुल 7.0 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्षामापी केन्द्र सोहागपुर में 13 मिमी, बुढ़ार में 5 मिमी., गोहपारू में 3 मि.मी., जैतपुर में 9 मिमी, चन्नौड़ी में 0.0 मिमी., ब्यौहारी में 4 मिमी, जयसिंहनगर में 15 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

जिले में किसानों की मेहनत पर मंडी माफिया की लूट

किसानों को नहीं मिल रहा उनकी फसल का सही दाम, आम जनता भी परेशान, थोक व्यापारी खरीदते हैं सस्ते में, बेचते हैं महंगे दामों में

विजय मत, शहडोल

जिले के मेहनतकश किसान अपनी उपज को लेकर सुबह-सुबह थोक मंडी पहुँचते हैं ताकि शहरवासियों को ताजी हरी सब्जियां उपलब्ध करा सकें। लेकिन यहां उनका सामना होता है थोक व्यापारियों से जो औने-पौने दामों पर सब्जी खरीदते हैं। वहीं यही व्यापारी सब्जियों को भारी मुनाफे पर फुटकर विक्रेताओं को बेचते हैं। अंततः जब ये सब्जियां आम जनता तक पहुँचती हैं तो उनके दाम तीन से चार गुना बढ़ चुके होते हैं।

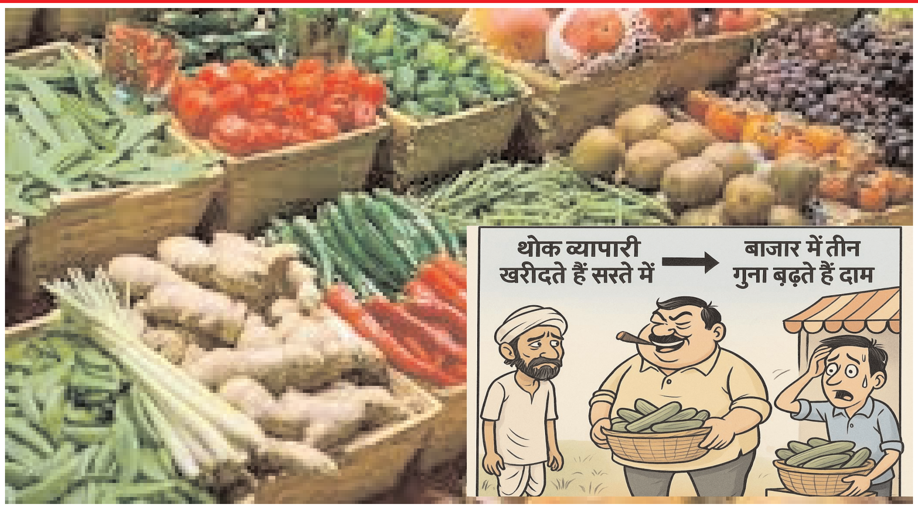

किसान-परेशान, जनता-हैरान, मुनाफा-केवल व्यापारियों का

बता दें कि किसान खीरा, लौकी, टमाटर, भिंडी जैसी सब्जियां 10 से 15 रुपये किलो में बेचते हैं, लेकिन यही सब्जियां फुटकर दुकानों पर 40 से 50 रुपये किलो में बिकती हैं। यानी न किसान को उसकी मेहनत का फल मिल रहा है और न ही आम जनता को सस्ती सब्जी। पूरा लाभ बिचौलियों को मिल रहा है जो किसानों और उपभोक्ताओं के बीच दलाली की भूमिका निभा रहे हैं।

मजबूरी में थोक व्यापारी के हाथों बिक रही है फसल

शासन स्तर पर कोई मूल्य निर्धारण या नियंत्रण की व्यवस्था नहीं होने के कारण किसान सब्जियों को जल्द से जल्द बेचने के लिए मजबूर होते हैं। सब्जी खराब होने के डर से वे कम कीमत पर भी सौदा कर लेते हैं। थोक मंडी में व्यापारी समूहों का इतना मजबूत नेटवर्क है कि किसानों को उचित मूल्य मिलना लगभग असंभव हो गया है।

बढ़ रही है बिचौलियों की संख्या

जैसे ही सब्जियां मंडी से बाजार पहुँचती हैं, उनके दाम तीन गुना हो जाते हैं। फुटकर व्यापारी एक हजार रुपये की सब्जी लाकर शाम तक ढाई से तीन हजार रुपये कमा लेते हैं। यही कारण है कि सड़कों के किनारे और गाड़ियों में सब्जी बेचने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस शोषण के चलते कई किसान अब सब्जी की खेती से मुंह मोड़ रहे हैं।

प्रशासन से मांग तय हो थोक व फुटकर दर

यदि जिला प्रशासन किसानों से सीधा खरीदी केंद्र स्थापित करे या सब्जी के न्यूनतम समर्थन मूल्य जैसी व्यवस्था लागू की जाए तो किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को राहत मिल सकती है। थोक और फुटकर दामों का निर्धारित करना समय की जरूरत है ताकि मुनाफाखोरी पर लगाम लगे और गरीबों की थाली में भी सब्जियां लौट सकें।

पंडित एसएन शुक्ल विश्वविद्यालय की भूमि पर अतिक्रमण का खतरा

स्टेडियम रोड से कोतवाली मार्ग तक पसरा अवैध कब्जा

विजय मत, शहडोल

शहडोल में स्थित पं. एसएन शुक्ल विश्वविद्यालय परिसर की मुख्य सड़क से लगी बाउंड्री के किनारे लगातार अतिक्रमण का सिलसिला जारी है। स्टेडियम से कोतवाली मार्ग तक की सड़क के किनारे एक-एक कर गुमटियां और ठेले लगते जा रहे हैं। यह सिलसिला अब इतना बढ़ गया है कि विश्वविद्यालय की भूमि पर अवैध कब्जा स्थायी रूप लेने लगा है।

गुमटियों को मिले बिजली कनेक्शन - चौंकाने वाली बात यह है कि इन अवैध गुमटियों और ठेलों को विद्युत विभाग द्वारा बाकायदा बिजली मीटर प्रदान कर दिए गए हैं। इससे स्पष्ट है कि प्रशासनिक मिलीभगत या लापरवाही के चलते अतिक्रमणकारी अब खुलेआम कब्जा कर रहे हैं। विद्युत कनेक्शन दिए जाने से इन अस्थायी दुकानों को स्थायित्व मिल रहा है, जो आगे चलकर बड़ी समस्या बन सकता है।

नपा और विश्वविद्यालय प्रबंधन की निष्क्रियता -इस गंभीर समस्या की ओर न तो नगर पालिका ध्यान दे रही है और न ही विश्वविद्यालय प्रबंधन इसे गंभीरता से ले रहा है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, इस अतिक्रमण की शिकायतें कई बार संबंधित विभागों को दी जा चुकी हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस उदासीनता से अतिक्रमणकारियों के हौसले और भी बुलंद हो गए हैं।

बताया गया है कि पहले विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा बाउंड्रीवाल के किनारे-किनारे फेंसिंग कर इस भूमि को सुरक्षित किया गया था, लेकिन अब वह फेंसिंग भी धीरे-धीरे नष्ट होती जा रही है। यदि यही स्थिति रही, तो निकट भविष्य में अतिक्रमण विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार तक पहुंच सकता है। प्रबंधन द्वारा भूमि सीमांकन के लिए विभागीय पत्राचार भी किया गया है।

सहकार भारती मध्य प्रदेश के महामंत्री का दो दिवसीय प्रवास

शहडोल। सहकार भारती मध्य प्रदेश के प्रदेश महामंत्री राकेश जी चौहान का दो दिवसीय कार्यक्रम अनूपपुर एवं शहडोल में दिनांक 29 6.2025 से 30 6 2025 तक प्रवास रहेगा प्रवास कार्यक्रम के अंतर्गत श्री चौहान जी भोपाल से अमरकंटक एक्सप्रेस से शहडोल के लिए प्रस्थान करेंगे व शहडोल विश्राम ग्रह में विश्राम करेंगे वे प्रातः सहकारिता क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों व सहकारी समितियों का भ्रमण उपरांत कल्याणपुर प्रशिक्षण केंद्र में सम्मिलित होकर जिला सहकार भारतीय शहडोल के पदाधिकारियों की बैठक को लेकर 2:00 बजे अनूपपुर के लिए विविध कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए प्रस्थान करेंगे एवं 30 6.2025 को शहडोल व उमरिया जिले में आयोजित सहकारिता के विविध कार्यक्रम में सम्मिलित होकर अमरकंटक एक्सप्रेस से भोपाल रवाना होंगे उकताशय की जानकारी मध्य प्रदेश सरकार भारती क्रेडिट के प्रदेश प्रमुख डॉक्टर गोपाल प्रसाद निगम ने दी है।

सेवानिवृत्त होने के तीन माह पूर्व शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरण प्रस्तुत करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

विजय मत, शहडोल

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरण उनकी सेवानिवृत्ति के तीन माह पूर्व जिला पेंशन कार्यालय में प्रस्तुत करने क निर्देश जिले के समस्त आहरण संवितरण अधिकारियों को दिए हैं। शासन निर्देशों के बाद भी अधिकांश कार्यालय प्रमुखों द्वारा समय पर शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरण निराकरण हेतु जिला पेंशन कार्यालय में प्रस्तुत नहीं किये जा रहे है। कतिपय कार्यालयों द्वारा शासकीय सेवकों के सेवानिवृत्ति के उपरांत पेंशन प्रकरण तैयार करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाती है।

कलेक्टर ने समस्त कार्यालय प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि उनके कार्यालय में सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरण उनके सेवानिवृत्ति के तीन माह पूर्व अनिवार्य रूप से पेंशन कार्यालय में निराकरण हेतु प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। समय पर पेंशन प्रकरण प्रस्तुत न करने की स्थिति में संबंधित के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित कार्यालय प्रमुख की होगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान का किया गया समापन

शहडोल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश में ﷯जलगंगासवर्धनअभियान﷯30 जून तक संचालित किया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन शहडोल जिले के ग्राम पंचायत मड़वा, बहगढ़, चूहरी में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं लाभान्वित हितग्राहियों की उपस्थिति में किया गया ।जल गंगा संवर्धन अभियान जन-जन के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। जिले में विगत तीन माह से जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जहां एक ओर नये तालाब बनाये जा रहे, वहीं दूसरी ओर पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार भी किया जा रहा है।

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में नवीन पाठ्यक्रमों की शुरुआत, कैरियर निर्माण के नए अवसर

विजय मत, शहडोल

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय शहडोल में शैक्षणिक सत्र 2025-26 से कैरियर एवं भविष्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण और संभावनाओं से युक्त नवीन स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों की शुरुआत की जा रही है। यह पहल क्षेत्रीय युवाओं को गुणवत्ता युक्त उच्च शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक और रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बी.एस.सी. फॉरेंसिक साइंस (न्यायिक विज्ञान) – 4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम, बि.लिब.आई.एस.सी. 1 वर्षीय परास्नातक पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान पाठ्यक्रम,

अब विश्वविद्यालय में आरंभ किए जा रहे हैं। अन्य शहरों की तुलना में अत्यंत न्यून शुल्क, जिससे सामान्य परिवारों के विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ।ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से। प्रवेश हेतु चयन प्राविण्य सूची के आधार पर।

महत्वपूर्ण तिथियाँ

रजिस्ट्रेशन चरण- 26 जून 2025 से 31 जून 2025 तक प्रवेश शुल्क भुगतान- 4 जुलाई 2025 से 8 जुलाई 2025 तक

विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करें और अपने सपनों को दें नई उड़ान।यह अवसर आपके कैरियर की दिशा बदल सकता है – इसलिए देर न करें, आज ही आवेदन करें और भविष्य के लिए मजबूत नींव रखें।

जिले के शांति एवं कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने अधिकारियों की लगाई गई ड्यूटी

विजय मत, शहडोल

आगामी 06 जुलाई को मोहर्रम का त्यौहार मनाया जाना है। मोहर्रम त्यौहार के दौरान जिले में शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाए बनाए रखने हेतु कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ0 केदार सिंह ने आदेश जारी कर जिले के सभी अनुभागों में संबंधित एसडीएम की एवं तहसील क्षेत्रान्तर्गत संबंधित तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की ड्यिूटी उनके कार्यक्षेत्र में लगाई गई है।

जारी आदेश के अनुसार उपखण्ड सोहागपुर, में उपखंड मजिस्ट्रेट सोहागपुर की उपखंड जैतपुर में उपखंड मजिस्ट्रेट जैतपुर की, उपखंड जयसिंहनगर में उपखंड मजिस्ट्रेट जयसिंहनगर की एवं उपखंड ब्योहारी में उपखंड मजिस्ट्रेट ब्यौहारी की ड्यिूटी लगाई गई है। इसी तरह जिले की सोहागपु र जयंसिंहनगर गोहपारू, ब्यौहारी, जैतपुर, एवं बुढ़ार की ड्यूटी संबंधित तहसील क्षेत्रान्तर्गत लगाई गई है। सबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि वे थाना मुख्यालयों पर शान्ति समिति की बैठकों का आयोजन कर मोहर्रम के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले जुलूस के निर्धारित स्थलों में अधीनस्थ अधिकारियों कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित करेंगे।

Near Akashvani Kendra, Behind Forest Barrier, Pali Road, Chandaniya, Shahdol
BRIGHTON
INTERNATIONAL SCHOOL
SHAHDOL
AFFILIATED TO CBSE - 1031166
ADMISSIONS OPEN 2025
Enroll Now
THE NO. 1 CBSE DAY SCHOOL OF SHAHDOL
Nursery to XII | Progressive Learning
AC Classrooms for Pre Primary | Modern Facilities
5-Acre Campus | Playground & Swimming Pool
Franchise School | Strong Academics
Innovative & Engaging Teaching
Qualified, Caring Faculty | Safe Environment
Holistic Growth | Teacher-Parents Partnership
Bright Minds, Strong Values — Nurturing the Whole Child at Brighton!
CONTACT
78284 70060

समस्या

गांवों में धधक रहीं शराब की भट्टियां, पुलिस-आबकारी की मिलीभगत से फलफूल रहा कारोबार

गांव-गांव फैल रही अवैध शराब की बिक्री, ग्रामीणों में बढ़ रहा आक्रोष

विजय मत, शहडोल

जिले में आबकारी विभाग की लापरवाही और निष्क्रियता के कारण जिले भर में अवैध शराब कारोबार तेज़ी से पैर पसार रहा है। ग्रामीण इलाकों में शराब माफिया सक्रिय हैं, जो ठेकेदारों की मिलीभगत से गांव-गांव तक शराब की आपूर्ति कर रहे हैं। ठेकेदारों द्वारा पंजीकृत दुकानों से शराब को बाइकों और कारों के माध्यम से दूरस्थ गांवों में भेजा जा रहा है। कई स्थानों पर अवैध अहाते भी संचालित हो रहे हैं। पुलिस और आबकारी विभाग की अनदेखी से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

महिलाएं उठा रही हैं घर की जिम्मेदारी

शराब के कारण कई पुरुषों ने अपने कामकाज छोड़ दिए हैं, जिससे महिलाओं को मजदूरी कर अपने परिवार का पेट पालना पड़ रहा है। कई परिवार आर्थिक और सामाजिक रूप से टूट चुके हैं। आए दिन पारिवारिक कलह की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे बच्चों का भविष्य भी अंधकारमय होता जा रहा है।

पुलिस और आबकारी विभाग की चुप्पी बनी रहस्य

रीवा रोड, उमरिया रोड, बुढार मार्ग और शहर के बस स्टैंड जैसे स्थानों पर रात के समय खुलेआम शराब की बिक्री हो रही है। इन स्थानों पर कई ढाबों और दुकानों में बिना किसी डर के अवैध रूप से शराब बेची जा रही है, परंतु आबकारी विभाग के अधिकारी इस ओर कोई रुचि नहीं दिखा रहे। पुलिस की कार्रवाई दिखावटी है, जबकि असली जड़ तक पहुंचने का प्रयास नहीं किया जा रहा।

गांवों में शराब के ठिकाने और बढ़ती सामाजिक समस्याएं

जयसिंहगर, ब्यौहारी, जनकपुर और आसपास के क्षेत्रों में कई घरों से देसी और अंग्रेजी शराब की बिक्री खुलेआम हो रही है। गांवों में बिना लाइसेंस के चल रहे ठेकों पर शाम होते ही शराबियों की भीड़ जुट जाती है। नशे में धुत लोग न केवल बुजुर्गों के साथ अभद्रता करते हैं, बल्कि महिलाओं और युवतियों के साथ छेड़छाड़ जैसी घटनाएं भी आम हो चुकी हैं। इससे गांवों की शांति भंग हो रही है और कानून व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं।

आबकारी विभाग की मिलीभगत से चल रहा गोरखधंधा

स्थानीय लोगों का आरोप है कि आबकारी विभाग और पुलिस की ठेकेदारों से मिलीभगत के कारण यह अवैध धंधा फल-फूल रहा है। कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति होती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे असामाजिक और अवैध गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। अन्यथा जन आंदोलन की चेतावनी भी दी जा रही है।

यूज इन शॉर्ट

बाइक चालक ने सड़क पार कर रहे अधेड़ को मारी टक्कर, घायल

कोतमा। कोतमा नेशनल हाइवे पर तेज रफ्तार वाहन चालकों के द्वारा लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए दुर्घटना को अंजाम दिया जाने की लगातार मामले सामने आ रहे हैं। सड़क हादसे के नए मामले में शनिवार को भालूमाडा थाना अंतर्गत सिंह पेट्रोल पंप के सामने तेज रफ्तार की बाइक द्वारा सड़क पार कर रहे 49 वर्षीय अश्वनी त्रिपाठी को ठोकर मार दिया। वहीं घटना के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पर ट्रैफिक मित्र शिवांश सिंह के द्वारा घायल को अपने वाहन से तत्काल कोतमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाकर उपचार कराया गया। घायल के हाथ पांव एवं शरीर के अंदरूनी हिस्सों में चोट है। बताया जा रहा कि अश्वनी त्रिपाठी निवासी बनियाटोला सिंह पंप बदरा के सामने अपने परिजनों को ऑटो में बैठाने का प्रयाय कर रहा था। जिस दौरान तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक चालक द्वारा दुर्घटना कर दिया गया। विदित रहे कि निवासी शिवांश सिंह को हाल में ही पुलिस अधीक्षक द्वारा घायलों की मदद करने एवं हाइवे में आवारा मवेशियों को दुर्घटना से बचाने के लिए रेडियम बेल्ट बनाए जाने के सराहनीय कार्य को लेकर सम्मानित किया गया है।

बड़े दाऊ और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार हुए भगवान जगन्नाथ

कोतमा। शुक्रवार को श्री आदि शक्ति पंचायती मंदिर से रथ पर

सवार होकर भगवान जगन्नाथ स्वामी, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ नगर भ्रमण पर निकले। यात्रा को लेकर भक्तों में जमकर उत्साह रहा। जोरदार जयकारो से पूरा नगर गुंजायमान रहा। शाम 5 बजे मंदिर से विधि विधान से पूजा अर्चना एवं मीठे चावल का भोग अर्पण कर भगवान जगन्नाथ की यात्रा प्रारंभ हुई, जो अत्यंत आकर्षण श्रृंगार धारण किए जगतपाल के दर्शन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। रथ यात्रा स्टेशन चौक, गांधी चौक, पुराना एसबीआई रोड, सब्जी मंडी, बाजार अस्पताल, आजाद चौक, महावीर मार्ग, वीडियो रोड, मुखर्जी रोड सहित अन्य मार्गो पर भ्रमण कर वापस पंचायती मंदिर पहुंची। भ्रमण के दौरान घरों के सामने आरती उतार पूजन अर्चन की गई। रथ को श्रद्धालुओं द्वारा पूरे रास्ते हाथ से खींचते हुए नगर भ्रमण कराया गया। भक्तों द्वारा जगह-जगह आरती उतारते हुए प्रसाद वितरण भी किया गया। 4 घंटे तक नगर भ्रमण के दौरान प्रमुख चौक में पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। विदित रहे कि नगर में पिछली एक दशक से ज्यादा समय से बड़ी भव्यता के साथ स्वामी जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाले जाने की परंपरा चली आ रही है। यात्रा के दौरान भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन भी मुस्तैद रहा। थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ला कोतमा, भालूमाड़ा एवं हाइवे चौकी पुलिस बल के साथ लगातार सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए यात्रा में शामिल रहे।

गल्फ ऑयल लुब्रीकेंट्स इंडिया लि. कंपनी की नकली 20 लीटर डीईएफ यूरिया जब्त

अनूपपुर। कोतवाली थाना अनूपपुर क्षेत्र में मोटर व ऑटो मोबाइल्स के नकली पार्टस के साथ ऑयल की नकली डीईएफ यूरिया का कारोबार वृहत रूप में संचालित हो रहा है। लेकिन सूचना के अभाव में शॉप से बेचे जा रहे सामग्रियों पर पुलिस की कार्रवाई शून्य है। लेकिन 6 जून को पुलिस ने थाना क्षेत्र के अमरकंटक तिराहा स्थित संचालित ऑटो मोबाइल्स पार्टस की दुकान पर गल्फ ऑयल लुब्रीकेंट्स इंडिया लि. कंपनी की नकली 20 लीटर डीईएफ यूरिया जब्त करने में सफलता पाई है। थाना प्रभारी अरविन्द जैन ने बताया कि 6 जून को पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान को सूचना प्राप्त हुई कि अमरकंटक तिराहे के पास जायसवाल मोटर पार्टस की दुकान में ट्रक आदि वाहनों में डाला जाने वाला गल्फ ऑयल लुब्रीकेंट्स इंडिया लि. कंपनी का डीईएफ यूरिया डुप्लीकेट बेच रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जायसवाल मोटर पार्टस की दुकान से गल्फ ऑयल लुब्रीकेंट्स शील बंद डिब्बा में नकली 20 लीटर डीईएफ यूरिया जब्त किया। आरोपी उमेश जायसवाल पिता मोती लाल जायसवाल उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम किरगी हर्रा टोला राजेन्द्रग्राम हाल उज्जवल कॉलोनी वार्ड नम्बर 13 अनूपपुर के विरूद्ध इस्तगासा क्रमांक 01/25 धारा 106 बीएनएसएस पंजीबद्ध किया गया।

जोरदार बारिश से जर्जर धर्मशाला की दीवार का ढहा हिस्सा, जनहानि नहीं

कोतमा। कोतमा में पिछले कुछ दिनों से हो रही जोरदार बारिश के बाद वर्षों पुराने निर्मित जर्जर मकान के ढहने का खतरा बढ़ गया है। गुरुवार की शाम को नगर के वार्ड क्रमांक 3 में स्थित श्रीसार्वजनिक धर्मशाला के छत की दीवार का बड़ा हिस्सा अचानक गिर जाने से अफरा तफरी मच गई। गनीमत रही की दीवाल एक दो पहिया गाड़ी पर गिरी, जो क्षतिग्रस्त हो गई। पास में ही पानी प्लांट एवं मेडिकल स्टोर होने के कारण आसपास भारी भीड़ जमी थी, लेकिन किसी प्रकार से कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। घटना के बाद कुछ देर के लिए रोड जाम हो गया था सड़क से मलबा हटाने के बाद धीरे-धीरे आवागमन बहाल हो सका। विदित रहे कि नगर में आधा सैकड़ा से ज्यादा जर्जर मकान हैं। जिनको चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई है।

कोयले की सुरक्षित भंडारण नहीं उंची दीवाल, और ना ही पानी का हो रहा छिड़काव

बिजुरी कोल साइडिंग से उड़ता डस्ट कॉलोनीवासियों को बना रहा बीमार

विजय मत, अनूपपुर

बिजुरी रेलवे कोल साइडिंग पर कोयला का हो रहा भंडार नगरवासियों को अनचाहा बीमारियों को जन्म दे रहा है। यहां से उठने वाली कोयले की डस्ट से आसपास के लोगों को श्वसन सम्बंधित जटिल समस्याओं से घेर रहा है। यहां हर रोज उड़ती धूल की मोटी परतें उनके घर, भोजन और सांसों में घुल रही हैं। जिसका परिणाम है कि बिजुरी साइडिंग से महज सौ मीटर की दूरी पर स्थित कपिलधारा कॉलोनी के रहवासी आज सांस संबंधी बीमारियों, एलर्जी, त्वचा रोग और आंखों की जलन जैसी समस्याओं से बुरी तरह प्रभावित हैं। इनमें खासकर बुजुर्गो से लेकर नौनिहालों को अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि रोजाना यहा डंप होने वाले कोयला के साथ वाहनों व ट्रेनों में लोड होने वाले कोयले की डस्ट आसपास के घरों में मोटी परत बिछा रही है, डस्ट के कारण घरों की खिड़कियां दिनभर बंद रखना पड़ रहा है। आंगन में महिलाओं को खाना पकाने के साथ बैठना भी दुश्कर हो गया है। कोल साइडिंग विभागीय मानकों को पूरा नहीं कर रही है। यहां कोयला भंडारण के लिए सुरक्षा उपायों की अनदेखी कर दी गई है।

नहीं उंची दीवार और ना ही पानी का छिड़काव

बताया जाता है कि जहां कोयला का साइडिंग बनाया गया है, वहां कोल डस्ट से बचाव में उंची दीवारों को खड़ा नहीं किया गया है, और ना ही डस्ट आसपास फैल पानी का छिड़काव भी नहीं किया जा रहा है। वहीं आसपास पहुंच के लिए सडक़ जैसी सुविधाएं भी नहीं है। जिसके कारण यहां वाहनों की आवाजाही के दौरान भी डस्ट की परत आसपास छा जाती है। लोगों का कहना है कि बिना मानकों के यह कारोबार कैसे संचालित हो रहा है? क्या प्रदूषण विभाग की मिलीभगत है या सिस्टम की लापरवाही। प्रदूषण विभाग इस साइडिंग का कोई ठोस निरीक्षण नहीं करती, और न ही कोई कार्रवाई। जांच में पहुंचने वाले अधिकारी शिकायत होने की सूचना देकर निरीक्षण में पहुंचते हैं, जहां पूर्व से तैयार प्रबंधन पानी का छिड़काव कर यह जताने का प्रयास करता है कि यहां सब कुछ प्रदूषण कंट्रोल विभाग के अनुसार किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कपिलधारा कॉलोनी जैसे रिहायशी क्षेत्र के इतने नजदीक कोल साइडिंग होना नियमों के खिलाफ है।

नगरवासियों की प्रशासन से मांग

कोल साइडिंग प्रबंधक की उपेक्षित रवैए और मानकों के विपरीत भंडारण से अब नगरवासियों ने प्रशासन ने इसे बंद या फिर नियमों के अनुसार पालन कराने की मांग की है। उनका कहना है कि ऐसे गैर जिम्मेदार साइडिंगों के प्रति प्रशासन तत्काल साइडिंग को सील करें, प्रदूषण विभाग द्वारा जांच कर जिम्मेदारों पर केस दर्ज करें, स्थानीय नागरिकों के स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा मुहैया कराए, स्थायी समाधान के लिए कोल साइडिंग का स्थानांतरण कर दें।

इनका कहना है

शहडोल संभाग में 300 से 400 आवेदन लंबित रहते हैं। हर एक स्थान पर तत्काल निरीक्षण संभव नहीं होता। आज शनिवार कल रविवार रहेगा, इसलिए फिलहाल सोमवार को कार्यालय में आकर संबंधित फाइल देखने के बाद ही सटीक जानकारी दे पाऊंगा।

मुकेश श्रीवास्तव,
संभागीय अधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड शहडोल

बाउंड्रीवॉल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। हम विभाग द्वारा निर्धारित सभी नियमों और शर्तों का पालन कर रहे हैं और आगे भी करेंगे।

गुरुजी तिवारी,
संचालक साईं कृपा कोल साइडिंग बिजुरी

आधार व समग्र ई-केवाईसी के बॉटम 10 में रहने वाले की होगी रोजाना समीक्षा

कलेक्टर ने लंबित कार्यों को 30 जुलाई तक पूरा के लिए अल्टीमेटम

विजय मत, अनूपपुर

जिले में आधार अपडेशन और समग्र ई-केवाइसी को लेकर चलाए जा रहे अभियान में अपडेशन की स्थिति बेहतर नहीं पाए जाने पर शनिवार को जिपं सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर हर्षल पंचोली और जिपं सीइओ तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने नाराजगी जताई। साथ ही लंबित कार्यो को 30 जुलाई तक पूरा करने का अल्टीमेटम दिया। इस दौरान कलेक्टर ने आधार अपडेशन और समग्र ई केवाइसी अभियान की समीक्षा की और कहा कि शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो इसके लिए जिले के सभी ग्राम पंचायत के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक, मोबिलाइजर जनता के प्रति जिम्मेदार बनकर उनकी कठिनाइयों का निराकरण करें। जिन लोगों के आधार अपडेशन,समग्र ई केवाईसी का कार्य लंबित है उन्हें आगामी 30 जुलाई तक शत प्रतिशत पूर्ण किया जाए। अमला घर-घर दस्तक देकर आधार अपडेशन तथा समग्र ई- केवाईसी का कार्य पूर्ण करें। वहीं ग्राम स्तरीय अमले को संयुक्त समन्वय से उक्त कार्यों को करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रिव्यू बैठक में अगर प्रगति अपेक्षित नहीं प्राप्त हुई तो संबंधितों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में तकनीकी दिक्कतों आधार सुधार के लिए लगाए गए कैंप में आ रही समस्याओं में भी जानकारी प्राप्त की और कहा जहां आधार अपडेशन के अधिक कार्यलंबित हैं वहां चार-पांच दिन का लगातार कैंप लगाकर समस्याओं का निराकरण किया जाए।

बॉटम 10 में रहने वालों की होगी प्रतिदिन समीक्षा

कलेक्टर ने कहा कि आधार अपडेशन तथा समग्र ई-केवाईसी कार्य में जनपद एवं जिला स्तर पर बॉटम 10 में रहने वाले लोगों की प्रतिदिन समीक्षा की जाएगी तथा लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। जिपं सीइओ तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने ग्राम स्तरीय अमले को समग्र आई केवाईसी तथा आधार अपडेशन के संबंध में प्राथमिकता तय कर सिचुरेशन मोड में कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही समग्र ई केवाईसी तथा आधार अपडेशन कार्य में लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी दी।

बरातियों के उपर गाड़ी चढ़ाकर घायल के मामले में आरोपी गिरफ्तार, पहुंचा जेल

अनूपपुर। वेकंटनगर पुलिस ने हत्या के प्रयास के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश कर जिला जेल अनूपपुर में दाखिल कराया है। मामले में चौकी प्रभारी अमरलाल यादव ने बताया कि फरियादी 26 वर्षीय छत्रपाल सिंह पिता लखन सिंह गोंड़ निवासी ग्राम खोड़री ने 10 जून को रिपोर्ट दर्ज कराया की करीब1 बजे के आसपास गांव के छोटेलाल पनिका के लडक़ी की बारात सारबहरा गौरेला छग से आई थी। बारात द्वार पे लग रही थी, उसी समय गांव का पुष्पेन्द्र सिंह गोंड़ पटाखा फोड़ रहा था जिसमें अनार की चिगांरी वहां खड़ी कार की तरफ चली गई। जिससे नाराज बारात में आया गाड़ी मालिक खलेन्द्र से पटाखा छुड़ाने लगा। जिसमें उनकी झूमाझटकी हो गई। इस पर गाड़ी मालिक व ड्राइवर ने बताने की धमकी देते हुए गाड़ी को आगे-पीछे कर कई लोगों को धक्का देते हुए लोगो को जान से मारने की नियत से चढ़ाकर हत्या करने का प्रयास किया है और वाहन लेकर भाग खड़ा हुआ।

क्षतिग्रस्त जर्जर भवनों को हटाने कोतमा नगर पालिका ने की कार्रवाई

विजय मत, अनूपपुर

राज्य शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देश पर वर्षा पूर्व क्षतिग्रस्त भवन एवं जर्जर संरचनाओं को हटाने के दिए गए निर्देश में कोतमा नगरपालिका द्वारा सघन बाजार क्षेत्र में ऐसे भवन जो जर्जर एवं क्षतिग्रस्त हैं तथा जिनके गिरने से जनधन की हानि की आशंका है ऐसे भवन मालिकों को नोटिस देकर क्षतिग्रस्त भवन को हटाने की कार्रवाई की गई। जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवनों में निवासरत भवन मालिकों को सुरक्षित स्थान पर रहने के लिए समझाइश दी गई कुछ भवन मालिकों के द्वारा आगामी एक सप्ताह में सुधार करने के लिए लिखित में आश्वासन देने के उपरांत कार्रवाई लंबित रखी गई है। कार्रवाई में नपा अध्यक्ष अजय सराफ, उपाध्यक्ष वैशाली बद्री ताम्रकार के अलावा सीएमओ एवं उनकी टीम उपस्थित रही।

मॉडीफाई साइलेंसर पर हाइवे पुलिस की कार्रवाई, चार काली फिल्म भी उतारी

विजय मत, कोतमा

नगर की सडक़ों पर काली फिल्म लगाने के साथ साइलेंसर युक्त वाहनों को दौडऩे के मामले में पुलिस अधीक्षक द्वारा सख्त कार्रवाई के निर्देश में यातायात हाईवे चौकी प्रभारी विनोद दुबे के नेतृत्व में टीम ने कोतमा, फुनगा में अभियान चलाया। जहां कोतमा स्कूल तिराहे पर तीन वाहन चालकों को बुलेट लगाकर नियम विरुद्ध वाहन चलाएं पाए जाने पर कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया। वहीं मॉडीफाई साइलेंसर साउंड को निकलवाया। इसी प्रकार चार काली फिल्म लगी कारों पर चालक से काली फिल्म उतरवाने के साथ कार्रवाई की गई। रात्रि में शराब पीकर वाहन चलाते हुए एक चालक को पकडऩे के साथ ड्रिंक एंड ड्राइव मोटर व्हीकल एक्ट 185 में कार्रवाई की गई है। बताया जा रहा है की चेकिंग अभियान के दौरान कई वाहन चालकों को समझाइए भी दी गई, वहीं वाहन चालकों के पकड़े जाने के बाद मोबाइल फोन के माध्यम से दबाव बनाने का भी प्रयास किया गया। लेकिन पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में की जा रही कार्रवाई जारी रही।

नायब तहसीलदार पर जबरन दस्तखत कराने और अपमानित करने का आरोप

एफआईआर की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का थाने में प्रदर्शन

विजय मत, बिजुरी/अनूपपुर

ग्राम तरसिली, तहसील कोतमा के निवासी बिसाहू लाल साहू ने नायब तहसीलदार बिजुरी राजेंद्र पनिका पर गंभीर आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई है। प्रार्थी का कहना है कि उसके पक्के मकान को शासकीय भूमि बताकर बिना किसी पूर्व सूचना और बिना सुनवाई का अवसर दिए ही गिराने के आदेश जारी किए गए हैं।प्रार्थी बिसाहू लाल साहू ने बताया कि उसका मकान बरसों पुराना पक्का निर्माण है, जो उसी भूमि पर स्थित है जिस पर चार अन्य मकान भी लगे हुए हैं, लेकिन कार्रवाई सिर्फ उसके मकान पर की जा रही है। शेष मकानों के विरुद्ध कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। इससे यह स्पष्ट है कि नायब तहसीलदार द्वारा पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाते हुए केवल उसे निशाना बनाया जा रहा है।

प्रार्थी ने यह भी आरोप लगाया कि दिनांक 27 जून 2025 को शाम करीब 6 बजे नायब तहसीलदार राजेंद्र पनिका ने दो पुलिसकर्मियों की सहायता से उसे जबरन तहसील भवन, बिजुरी में बंधक बनाकर रखा। इस दौरान उससे ज़बरदस्ती दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर करवाने का प्रयास किया गया। जब उसने हस्ताक्षर करने से इंकार किया, तो उसे झूठे आपराधिक प्रकरण में फंसाकर जेल भेजने की धमकी दी गई। इतना ही नहीं, प्रार्थी के अनुसार नायब तहसीलदार द्वारा उसे अश्लील गालियां देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और अपमानित किया गया। इस पूरे घटनाक्रम से प्रार्थी गहरे मानसिक आघात में है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने थाने पहुंचकर जताया विरोध

पूरे मामले की जानकारी मिलते ही कोतमापुर विधायक सुनील सराफ, जिला पंचायत सदस्य रामजी उर्फ रिंकू मिश्रा, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गुड्डू चौहान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता बिजुरी थाना पहुंचे।

सुरक्षा मानक

बैठक में सुको द्वारा तय मापदंडों को पूरा करने तीन दिनों की मोहलत

यातायात और आरटीओ ने स्कूल संचालकों का वाहन में सुरक्षा मानकों को पूरा करने दिए निर्देश

विजय मत, अनूपपुर

आगामी 1 जुलाई से शासकीय व अशासकीय स्तर के स्कूलों की कक्षाओं का संचालन आरंभ होगा। जहां स्कूलों तक की आवाजाही में या स्कूलों द्वारा उपयोग किए जा रहे वाहनों में सुरक्षा मानकों को पूरा करने शनिवार को यातायात थाना परिसर में स्कूल संचालकों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें स्कूली वाहनों में सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार सभी सुरक्षा मापदंड का पालन करने के निर्देश दिए गए। वहीं इन मानकों को पूरा करने विभागीय स्तर से तीन दिनों की मोहलत दी गई। बैठक में जिला यातायात प्रभारी ज्योति दुबे के साथ जिला परिवहन अधिकारी सुरेन्द्र सिंह गौतम मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि शिक्षा सत्र

प्रारंभ होने के साथ ही स्कूली वाहनों से बच्चों का आवागमन शुरू हो गया है। स्कूल संचालकों को बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने स्कूली वाहनों में सभी सुरक्षा मापदंडों का पालन करने लिखित निर्देश जारी करते हुए गाइडलाइन की जानकारी दी गई है।

किन किन बिन्दुओं पर सुरक्षा की गारंटी

यातायात प्रभारी के अनुसार स्कूली वाहनों के सभी दस्तावेज जैसे बीमा, फिटनेस, परमिट, प्रदूषण सर्टिफिकेट, कंप्लीट बाद ही रोड पर लाए, स्कूल वाहन का रंग पीला , बस के आगे पीछे स्कूल बस/स्कूल वैन लिखा हो, वाहन अनुबंधित है तो उक्त वाहन पर ऑन स्कूल ड्यूटी लिखा हो, स्कूल बसों में स्पीड गवर्नर, खिड़कियों में होरिजेंटल ग्रिल, बस /वैन में अग्निशमन यंत्र, बस/स्कूल वैन में स्कूल का नाम एवं मोबाइल नंबर, बस में प्रवेश एवं निर्गम के लिए प्रथक दो दरवाजे, उनका लॉकिंग सिस्टम अच्छा हो, सीसीटीवी कैमरा एवं जीपीएस सिस्टम, गति 40 किलोमीटर प्रति घंटे, परिचालक, वाहन चालक के पास हैवी लाइसेंस और कम से कम 5 साल का भारी वाहन चलाने का अनुभव, चालक का पुलिस द्वारा चरित्र सत्यापन के साथ स्कूल संचालक ट्रांसपोर्ट मैनेजर की नियुक्ति करेंगे जो वाहन के मेंटेनेंस एवं दस्तावेजों का संधारण करेंगे।

यातायात नियमों का पालन अनिवार्य

इस दौरान यातायात प्रभारी ने स्पष्ट किया कि चालक यातायात नियमों का पालन करेंगे और नशे की स्थिति में वाहन ना चलाएं। वहीं सभी स्कूल संचालकों को सुको की गाइडलाइन के अनुसार सभी मापदंडों को तीन दिन में पूरा करने की हिदायत दी है।

गंभीर को टीम को तैयार करने समय देना चाहिएः पनेसर

लंदन, एजेंसी

टेस्ट मैच में टीम इंडिया की हार के बाद इंग्लैंड के पूर्व गेंदबाज मोंटी पनेसर ने कहा गौतम गंभीर को टीम तैयार करने के लिए समय देना चाहिए। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज रोहित शर्मा और विराट कोहली के बिना खेली जा रही है क्योंकि दोनों ने दौरे से पहले इस प्रारूप से संन्यास ले लिया था और टीम की कप्तानी शुभमन गिल के हाथों में हैं। पनेसर ने मुख्य कोच का समर्थन करते हुए कहा, गौतम गंभीर को इस युवा टेस्ट टीम को तैयार करने के लिए कम से कम 12-18 महीने का समय दिया जाना चाहिए। कोहली और शर्मा जैसे खिलाड़ियों के बिना गंभीर के पास कोई विकल्प नहीं है। आप उनसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने की उम्मीद नहीं कर सकते। टी20 विश्व कप 2024 के बाद गौतम गंभीर को राहुल द्रविड़ की जगह टीम इंडिया के मुख्य कोच के रूप में पदभार संभालने को मिला। व्हाइट-बॉल की सफलता के बाद भी सबसे लंबे प्रारूप में गंभीर की सफलता चिंता का विषय बन गई है। 11 मैचों में, टीम इंडिया को 7 अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा और सिर्फ 3 जीत दर्ज की। गंभीर के कार्यकाल में भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर वाइटवॉश और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में हार का सामना करना पड़ा।

टेस्ट मैच में टीम की गेंदबाजी से मोहम्मद शमी असंतुष्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स के हेडिंग्ले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में टीम की गेंदबाजी से भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी असंतुष्ट हैं। भारतीय गेंदबाजों ने सभी पारियों में 4.5 रन प्रति ओवर से अधिक रन लुटाए जिसमें केवल जसप्रीत बुमराह ही प्रभावी दिखे।

बुमराह ने पहली पारी में 5 विकेट लिए लेकिन दूसरी इनिंग में कोई विकेट नहीं ले पाए। इंग्लैंड ने 371 रन के लक्ष्य के जवाब में आखिरी दिन 350 रन बनाए और 5 विकेट से जीत दर्ज की। शमी ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, गेंदबाजी में अन्य भारतीय गेंदबाजों को बुमराह से बात करनी चाहिए और उनसे सीखना चाहिए। उन्हें उनके साथ योजना बनाने और उनका समर्थन करने के बारे में बात करनी चाहिए। अगर वे बुमराह का समर्थन करेंगे, तो हम आसानी से मैच जीत सकते हैं। अगर मैं पहले मैच की बात करूं, तो मुझे लगता है कि हमें गेंदबाजी में थोड़ा काम करने की जरूरत है। शमी ने शार्दुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा के विकेटों का खेल पर कोई प्रभाव ना पड़ने की भी बात की।

सचिन से प्रेरित होकर मजबूत लौटीं

हर गेंद पर चौका-छक्का नहीं जरूरीः शेफाली वर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम में वापसी कर रहीं 21 वर्षीय शेफाली वर्मा ने स्वीकार किया है कि टीम से बाहर रहने के दौरान उन्होंने अपनी बल्लेबाजी के नजरिए में बड़ा बदलाव किया। खराब फॉर्म के चलते बाहर होने के बाद शेफाली ने टेस्ट क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर की पारियां देख-देखकर यह समझा कि हर गेंद को उसकी मेरिट पर खेलना कितना जरूरी है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच से पहले बीसीसीआई के एक वीडियो में शेफाली ने कहा, पहले मैं हर गेंद पर चौका या छक्का मारने के बारे में सोचती थी लेकिन फिर मुझे समझ में आया कि अच्छी गेंद का सम्मान करना जरूरी है। मैंने सचिन सर की टेस्ट पारियां देखीं और उनसे काफी प्रेरणा मिली।

शेफाली ने बताया कि सचिन को देखते हुए उन्हें अपने बचपन के दिन याद आ गए। उस समय मैं उनका एक भी मैच मिस नहीं करती थी। इस बार मैंने उनके हर मैच को फिर से देखा और सीखा कि अच्छी गेंद को सम्मान देना ही लंबी और अच्छी पारी खेलने की कुंजी है। शेफाली का यह आत्मचिंतन उनके खेल में भी दिखा। घरेलू क्रिकेट और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में शानदार प्रदर्शन कर उन्होंने राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह वापस पक्की की।

हालांकि, यह सफर आसान नहीं रहा। शेफाली ने खुलासा किया कि पिछले साल टीम चयन से ठीक दस दिन पहले उनके पिता को दिल का दौरा पड़ा था, जिसने उनके लिए हालात और मुश्किल कर दिए। जब भी आप टीम में वापसी करते हैं तो हालात मुश्किल होते ही हैं, लेकिन टीम के माहौल में लौटकर अच्छा लगता है। मुझे खुशी है कि मैं फिर से टीम का हिस्सा बनी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के चयन से दस दिन पहले पापा को दिल का दौरा पड़ा था। उस समय मैं बेहद परेशान थी और मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि हो क्या रहा है।

शेफाली ने बताया कि बाहर रहने के दौरान उन्होंने अपनी फिटनेस पर भी काफी ध्यान दिया। मैंने फिटनेस पर कड़ी मेहनत की। करीब 20-25 दिन बाद जब बल्ला हाथ में लिया तो बेहद अच्छा लगा और मुझे अलग ही ऊर्जा मिली। समय बहुत कुछ सिखा देता है। अब मेरा ध्यान सिर्फ अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर रहेगा, बाकी किस्मत पर छोड़ दूंगी।

डब्ल्यूटीसी में 10 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले पहले खिलाड़ी ट्रेविस हेड

नई दिल्ली, एजेंसी

बारबाडोस में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। मैच में तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा और दोनों टीमों की पहली पारियां 200 रन से कम पर सिमट गईं। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 180 रन बनाए, जिसमें वेस्टइंडीज के जेडन सील्स ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट चटकाए।

हालांकि वेस्टइंडीज की टीम इसका फायदा नहीं उठा सकी और 190 रन पर ऑलआउट होकर सिर्फ 10 रन की मामूली बढ़त हासिल कर पाई। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने शानदार वापसी करते हुए 310 रन बनाए। इसमें ट्रेविस हेड, वेबस्टर और एलेक्स कैरी की अर्धशतकीय पारियां अहम रहीं। इस पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को जीत के लिए 301 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम लड़खड़ा गई और सिर्फ 141 रन पर ढेर हो गई। इस जीत में ट्रेविस हेड का योगदान निर्णायक रहा। उन्होंने दोनों पारियों में अर्धशतक लगाए और अपनी पारी से मैच का रुख बदल दिया। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके साथ ही उन्होंने एक बड़ी उपलब्धि भी हासिल की।

ट्रेविस हेड विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 10 मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन लगातार शानदार रहा है और वह ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में चौथे स्थान पर हैं। उनसे आगे स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशेन और उस्मान ख्वाजा हैं। हेड ने अब तक 50 टेस्ट में 3199 रन बनाए हैं, जिसमें आठ शतक और 15 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 401 चौके लगाकर इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा चौके लगाने के मामले में जो रूट, स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन के बाद चौथा स्थान हासिल कर लिया है। जो रूट ने 119 पारियों में 576 चौके, स्मिथ ने 476 और लाबुशेन ने 443 चौके लगाए हैं, जबकि हेड ने 83 पारियों में यह उपलब्धि पाई है। इस जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया आत्मविश्वास से भरी नजर आ रही है और सीरीज में अपनी बढ़त को मजबूत करने के इरादे से अगले मुकाबले में उतरेगी।

कुलदीप को दूसरे टेस्ट के लिए शामिल करेंः अश्विन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव होते तो पहले क्रिकेट टेस्ट मैच का परिणाम कुछ और होता। ऐसे में अब अश्विन चाहते हैं कि कुलदीप को 2 जुलाई से शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट के लिए टीम में शामिल किया जाना चाहिये। अश्विन के अनुसार अगर कुलदीप पहले टेस्ट में होते तो वह अहम भूमिका निभा सकते थे। भारतीय टीम को पहले टेस्ट मैच में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। अश्विन ने कहा कि वह यह देखना चाहते हैं कि इंग्लैंड इस स्पिनर का सामना किस प्रकार करता है। साथ ही कहा कि अगर कुलदीप आपको 100 रन देकर तीन विकट दिला सकता है और पहली पारी के स्कोर को 350 तक ही रोक सकता है तो ऐसे में टीम के पास 125 रन की बढ़त होती। मेरा मानना है कि कुलदीप होता तो पहले मैच के हालात अलग प्रकार के होते।

अश्विन ने भारतीय टीम पहले टेस्ट में पिच की सहायता नहीं ले पायी, उसे स्पिनरों की सहायताके लिए पिच पर खुरदरे निशान बनाना थे। उन्होंने कहा, 'हमें और अधिक खुरदरे निशान बनाने का प्रयास करना चाहिए था। साथ ही कहा कि अगर इंग्लैंड चौथी पारी में गेंदबाजी करता तो आपको पिच पर बहुत अधिक निशान देखने को मिलते।' साथ ही कहा कि भारतीय टीम अगला मैच वहां खेलेगी जहां उसने कभी भी टेस्ट मैच नहीं जीता है। इसलिए उसे सावधान रहना होगा। दोनों टीमों ने एजबेस्टन में 8 टेस्ट खेले हैं, इसमें से भारतीय टीम को 7 में हार का सामना करना पड़ा जबकि एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। भारतीय टीम दूसरे टेस्ट में अंतिम ग्यारह में बदलाव कर मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दे सकती है।

बिजनेस

देश का विदेशी ऋण बढ़कर 736.3 अरब डॉलर पहुंचा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि भारत का विदेशी ऋण मार्च 2025 के अंत तक 10 प्रतिशत बढ़कर 736.3 अरब डॉलर हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 668.8 अरब डॉलर था। जीडीपी के प्रतिशत के रूप में बाह्य ऋण एक साल पहले के 18.5 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 के अंत तक 19.1 प्रतिशत हो गया। आरबीआई ने कहा कि समीक्षाधीन वित्त वर्ष में मुद्रा बाजारों में कुछ उतार-चढ़ाव देखा गया और रुपए तथा अन्य मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के मूल्य में वृद्धि के कारण मूल्यांकन प्रभाव 5.3 अरब डॉलर रहा। केंद्रीय बैंक ने कहा कि यदि मूल्यांकन प्रभाव को छोड़ दिया जाए, तो बाह्य ऋण में 67.5 अरब डॉलर के बजाय 72.9 अरब डॉलर की बढ़ोतरी होती। आरबीआई ने कहा कि कुल ऋण में गैर-वित्तीय निगमों ने 261.7 अरब डॉलर, सरकार ने 168.4 अरब डॉलर और केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमा स्वीकार करने वाले निगमों ने 202.1 अरब डॉलर का ऋण लिया। मार्च 2025 के अंत में, दीर्घकालिक ऋण 601.9 अरब डॉलर था और इसमें सालाना आधार पर 60.6 अरब डॉलर की वृद्धि हुई।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी बढ़ोतरी रही

- सेंसेक्स 303 अंक उछलकर 84,058.90 अंक पर बंद
- निफ्टी 8.80 अंक बढ़कर 25,637.80 अंक पर बंद

मुंबई, एजेंसी

बीते कारोबारी सप्ताह के दौरान शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर और भारत और अमे?रिका के बीच जल्द ट्रेड होने की संभावना से बाजार में ?निवेशकों के सेंटीमेंट को मजबूती प्रदान की। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार के पांच कारोबारी ?दिनों में कारोबार इस प्रकार रहा- अमेरिका की ओर से ईरान के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों पर बमबारी के बाद मध्य पूर्व में बढ़े तनाव के बीच सोमवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 931.41 अंक गिरकर 81,476.76 पर खुला और दिन के कारोबार में 900 अंक से अधिक की गिरावट के बाद कुछ हद तक उबरकर 511.38 अंक की गिरावट के साथ 81,896.79 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 140.50 अंक गिरकर 24,971.90 अंक पर खुला और 287.55 अंक गिरकर 24,824.85 पर बंद हुआ। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के इजरायल-ईरान युद्ध विराम की घोषणा के बाद भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को जोरदार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स 600 से ज्यादा अंक चढ़कर 82,534.61 पर खुला और 158.32 अंक उछलकर 82,055.11 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी-50 भी मजबूत शुरुआत के साथ 25,179.90 पर खुला और 72.45 अंक बढ़कर 25,044.35 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में तेजी के चलते बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को शुरुआती कारोबार में तेजी दर्ज की गई। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 426.79 अंक बढ़कर 82,481.90 पर खुला और 700.40 अंक उछलकर 82,755.51 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 123.25 अंक चढ़कर 25,167.60 पर खुला और 200.40 अंक बढ़कर 25,244.75 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार की गुरुवार को सपाट शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 163.27 अंक चढ़कर 82,918.78 पर खुला और 30 1,000.36 अंक चढ़कर 83,755.87 अंक पर बंद हुआ।

सीएनजी और पीएनजी की घट सकती है कीमतें

- 2-3 दिन में लिया जा सकता है फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

देशभर के सीएनजी और पीएनजी उपभोक्ताओं को अगले दो-तीन दिन में राहत भरा समाचार मिल सकता है। बताया गया है कि अब गैस की कीमतें आपकी लोकेशन या गैस सोर्स से दूरी पर निर्भर नहीं करेंगी। पेट्रोलियम और नैचुरल गैस रेगुलेटरी बोर्ड (पीएजीआरबी) ने नए यूनिफाइड टैरिफ फ्रेमवर्क को मंजूरी दे दी है, जिससे अब देश के अधिकतर हिस्सों में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की कीमतें घट सकती हैं। यूनिफाइड टैरिफ सिस्टम यानी अब तक देश को तीन टैरिफ जोन में बांटकर उपभोक्ताओं से अलग-अलग दरों पर शुल्क लिया जाता था। जो उपभोक्ता गैस ट्रांसपोर्ट नेटवर्क से ज्यादा दूर रहते थे, उन्हें ज्यादा पैसे चुकाने पड़ते थे। लेकिन अब इस ढांचे को तीन से घटाकर दो जोन में बदलने की तैयारी है, जिससे दूर-दराज के इलाकों में रहने वालों को ज्यादा राहत मिलने की उम्मीद है। नई व्यवस्था में एक ही जोन के सभी उपभोक्ताओं को एक समान टैरिफ देना होगा, चाहे वो गैस स्टेशन के पास हों या दूर। इससे सीएनजी व पीएनजी की दरों में एकरूपता आएगी और ट्रांसपोर्ट दूरी पर आधारित महंगे शुल्क से मुक्ति मिलेगी।

सुकन्या सहित छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दर में होगा बदलाव

- नई दरें वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए प्रभावी होंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

सार्वजनिक भविष्य निधि योजना, राष्ट्रीय बचत पत्र जैसी अन्य छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों की समीक्षा 30 जून सोमवार को होने वाली है। नई दरें वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए प्रभावी होंगी। इस साल अब तक सुकन्या समृद्धि योजना और वरिष्ठ नागरिक बचत योजना सहित डाकघर योजनाओं की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। संभावना जताई जा रही है कि पहली जुलाई 2025 से इसमें बदलाव हो सकता है। इस संभावना की वजह है भारतीय रिजर्व बैंक द्वरा रेपो रेट में कटौती बताई जा रही है। आरबीआई ने सबसे पहले फरवरी में रेपो रेट में 25 आधार अंक की कटौती की। फिर अप्रैल में 25 आधार अंक की कटौती की गई और जून में 50 आधार अंक की कटौती हुई। अब तक रेपो दर में एक फीसदी की कटौती हो चुकी है।

रेपो रेट में कटौती के जवाब में बैंकों ने सावधि जमा पर ब्याज दर में कमी कर दी है। कुछ बैंकों ने अपनी विशेष एफडी भी बंद कर दी हैं, जो एक निश्चित अवधि के लिए सामान्य बैंक एफडी की तुलना में अधिक ब्याज दर प्रदान करती थीं। वर्तमान में पीपीएफ योजना में निवेशकों को 7.10 फीसदी की दर से ब्याज मिलता है। अनुमान जताया जा रहा है कि कई दशकों में पहली बार पीपीएफ की ब्याज दर सात फीसदी से भी नीचे जा सकती है।

अप्रैल-जून 2025 तिमाही की शुरुआत से 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर औसत रिटर्न 6.30त्न रहा है। छोटी बचत योजनाओं के लिए गोपीनाथ कमेटी के फार्मूले में पीपीएफ की ब्याज दर पिछली तिमाही में औसत 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर रिटर्न से 25 आधार अंक अधिक रखा गया है। अगर इस फॉर्मूले को अपनाया गया तो जुलाई-सितंबर तिमाही में पीपीएफ की ब्याज दर 6.55 फीसदी हो सकती है। इसका मतलब कि पीपीएफ की ब्याज दर पांच दशक में पहली बार सात फीसदी के नीचे जा सकती है।

इस साल अदाणी समूह की ब्रांड वेल्यू 82 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। अदाणी समूह इस साल सबसे तेजी से बढ़ने वाला भारतीय ब्रांड बन गया है। इसकी ब्रांड वैल्यू 82 प्रतिशत बढ़ गई है। लंदन स्थित ब्रांड फाइनेंस की सबसे मूल्यवान भारतीय ब्रांड 2025 रिपोर्ट में कहा गया है कि समूह की वृद्धि का श्रेय एग्रेसिव और इंटीग्रेटेड इंफ्रास्ट्रक्चर फोकस, ग्रीन एनर्जी महत्वाकांक्षाओं में उछाल और प्रमुख हितधारकों में बढ़ी हुई ब्रांड इक्विटी को जाता है। अदाणी ब्रांड का मूल्य 2024 के 3.55 बिलियन डॉलर से बढ़कर 6.46 बिलियन डॉलर हो गया है, जो 2.91 बिलियन डॉलर की वृद्धि को दर्शाता है। यह वृद्धि समूह की रणनीतिक स्पष्टता, मजबूती और सस्टेनेबिलिटी के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

दिल्ली में 1 जुलाई से 15 साल पुराने पेट्रोल एवं 10 साल पुराने डीजल वाहन पर प्रतिबंध

- चारपहिया वाहनों पर 10,000 और दोपहिया पर 5,000 का जुर्माना वसूला जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में 1 जुलाई से 10 साल से पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहन पेट्रोल पंपों या सड़क पर दिखे तो उन पर सख्त कार्रवाई होगी। ऐसे वाहनों को उन्हें जब्त कर लिया जाएगा और वाहन मालिकों पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक चारपहिया वाहनों पर 10,000 और दोपहिया वाहनों पर 5,000 का जुर्माना वसूला जाएगा। यह कार्रवाई उन सभी वाहनों पर लागू होगी, भले ही वे देश के किसी भी राज्य में पंजीकृत हों। केंद्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने इससे पहले स्पष्ट निर्देश दिए थे कि 1 जुलाई से दिल्ली में इन पुराने वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा। यह कदम प्रदूषण पर नियंत्रण के प्रयासों के तहत उठाया जा रहा है। अब दिल्ली में वैधता खत्म हो चुके वाहन पेट्रोल पंपों पर ईंधन नहीं भरवा सकेंगे।
राजधानी के करीब 500 फ्यूल स्टेशनों पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरे लगाए गए हैं, जो इन वाहनों की पहचान करेंगे। जब कोई वाहन पेट्रोल पंप में प्रवेश करेगा, तो यह खास कैमरा उसकी नंबर प्लेट को स्कैन करेगा। इसके बाद यह नंबर तुरंत केंद्रीय 'वाहन' डेटाबेस से मिलाया जाएगा। इस प्रक्रिया से वाहन की उम्र, ईंधन प्रकार और रजिस्ट्रेशन जैसी जानकारी सामने आ जाएगी। यदि पता चलता है कि वाहन ईओएल श्रेणी में है, तो सिस्टम उसे तुरंत फ्लैग कर देगा।

सात दिन में 2,900 रुपए तक गिरा सोना, चांदी भी 1582 हुई सस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी

इस सप्ताह सोने और चांदी की कीमती में कमजोरी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार सोने और चांदी दोनों की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। 21 जून शनिवार को सोने की कीमत 98,691 प्रति 10 ग्राम थी, जो 28 जून को घटकर 95,784 प्रति 10 ग्राम पर आ गई यानी इस एक सप्ताह में सोने की कीमत में 2,907 की गिरावट दर्ज की गई। वहीं चांदी की कीमत में भी गिरावट आई है। 21 जून को यह 1,06,775 प्रति किलोग्राम थी, जो अब घटकर 1,05,193 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इस तरह चांदी 1,582 रुपए प्रति किलो सस्ती हुई है। वहीं दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,570 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,450, मुंबई में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,420 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,300, कोलकाता में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,420 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,300 और चेन्नई में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,420 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,300 रुपए है।

जीतू पटवारी ने अपने बयान से चरितार्थ किया चोर की दाढ़ी में तिनका

एफआईआर दर्ज करके सरकार ने सतर्कता और जागरूकता का परिचय दिया : विष्णुदत्त

- विपक्ष जनता की आवाज उठाने के लिए है, झूठ फैलाने के लिए नहीं
- सोशल मीडिया पर झूठ फैलाकर समाज में विद्वेष फैलाना चाहते थे पटवारी

विजय मत, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जीतू पटवारी ने अपने बयान से ''चोर की दाढ़ी में तिनका'' को चरितार्थ कर दिया है। जीतू पटवारी को यह याद रखना चाहिए कि प्रदेश में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा की संवेदनशील सरकार है, जो हर मामले में तत्परतापूर्वक कार्रवाई करती है। फिर चाहे वो किसी निर्दोष के उत्पीड़न का मामला हो, या झूठ फैलाकर मध्यप्रदेश का सामाजिक सौहार्द्र खराब करने का प्रयास हो। भाजपा की सरकार में अपराध किसी दबाव में दर्ज नहीं होता। कांग्रेस की आदत रही है दबाव में इस प्रकार प्रकरण दर्ज कराने की, इसलिए वे अनर्गल बयानबाजी करते हैं। भाजपा सरकार में कानून अपना कार्य करता है, उसमें किसी का हस्तक्षेप नहीं होता है। जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया के माध्यम से झूठे तथ्यों के आधार पर जिस तरह से समाज के वातावरण को बिगाड़ने का प्रयास किया है, निश्चित रूप से इसके लिए उन्हें बेशर्मीपूर्ण झूठ बोलने का गोल्ड मेडल दिया जाना चाहिए।

अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे कांग्रेस और जीतू पटवारी... *भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि विपक्ष का दायित्व होता है कि वह सकारात्मक भूमिका निभाए, जनता की आवाज उठाए, लेकिन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी अपनी इस जिम्मेदारी को निभाने की बजाय झूठ फैलाकर समाज का वातावरण खराब करने का प्रयास कर रहे थे। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करके प्रदेश सरकार ने सतर्कता और जागरूकता का परिचय दिया है तथा अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वाह किया है। अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अपनी छवि बनाने के लिए कूटरचित, आपराधिक षड्यन्त्र रचा जिसमें दलित, पिछड़ी जनता का मोहरे की तरह प्रयोग किया। इससे कांग्रेस पार्टी और जीतू पटवारी की घटिया सोच का पता चलता है।*

कांग्रेस मध्यप्रदेश में अप्रासांगिक

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश में विधानसभा और लोकसभा चुनाव में मिली शर्मनाक पराजय के बाद कांग्रेस का मनोबल खंडित हो चुका है। वह प्रदेश में अप्रासांगिक हो चुकी है और अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी कांग्रेस के बड़े नेताओं के लिए शुरू से ही अस्वीकार्य रहे हैं। बड़े नेताओं से लेकर साधारण कार्यकर्ता तक उन्हें अध्यक्ष मानते ही नहीं हैं। ऐसे में उन्हें बार-बार ये साबित करना पड़ रहा है कि वही कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हैं। इसी कवायद में कांग्रेस पार्टी और जीतू पटवारी प्रदेश में लगातार झूठ फैलाकर प्रदेश सरकार को बदनाम करने का असफल प्रयास कर रहे हैं।

सूरत में आज होगा 'मध्यप्रदेश में निवेश के अवसर' पर इंटरएक्टिव सेशन

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवेशकों से करेंगे संवाद
- टेक्स्टाइल, पेट्रोकेमिकल्स, फार्मा और इंजीनियरिंग सेक्टर्स पर होगा फोकस

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 29 जून को गुजरात प्रांत के सूरत स्थित होटल मैरियट में आयोजित मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों पर इंटरएक्टिव सेशन में शामिल होंगे। यह आयोजन उद्योग एवं रोजगार वर्ष 2025 अभियान की श्रृंखला में बेंगलुरु के बाद दूसरा बड़ा संवाद होगा। इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्रीय स्तर पर औद्योगिक समूहों से जुड़ाव बढ़ाना, रोजगार के अवसर सृजित करना और निवेश को सुगम बनाना।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा राज्य के औद्योगिक विकास का दीर्घकालिक दृष्टिकोण, अधोसंरचना विस्तार और निवेशकों के लिए बनाए गए भरोसेमंद वातावरण को रेखांकित करेंगे। साथ ही उद्योगपतियों से वन-टू-वन मुलाकात करेंगे, जिसमें निवेश-विशेष साझेदारियों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इंटरएक्टिव सेशन का मुख्य फोकस उन सेक्टरों पर रहेगा, जिनमें मध्यप्रदेश की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त स्पष्ट रूप से सामने आती है। इसमें वस्त्र एवं परिधान, पेट्रोकेमिकल्स और रसायन, बल्क ड्रग्स, फार्मास्यूटिकल्स, जेम्स एंड ज्वेलरी, इंजीनियरिंग एवं संबद्ध निर्माण इकाइयां शामिल है। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश की निवेश-उन्मुख परियोजनाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही प्रदेश की 18 नवीन सेक्टोरल नीतियों और औद्योगिक सहयोग के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी भी निवेशकों को दी जाएगी।

औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम दक्षिण गुजरात के सशक्त औद्योगिक तंत्र से मध्यप्रदेश की रणनीतिक साझेदारी को सशक्त बनाने और राज्य को निवेश के लिए एक विश्वसनीय गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसमें प्रमुख उद्योग समूहों के प्रतिनिधियों, वरिष्ठ कॉर्पोरेट नेताओं और उद्योग संगठनों की भागीदारी रहेगी। कार्यक्रम में साउथ गुजरात जोनल काउंसिल के चेयरमैन एवं प्रवीन लैबोरेट्रीज़ प्रा. लि. के निदेशक हेतुल मेहता स्वागत भाषण देंगे। मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं, अधोसंरचना और नीतिगत नवाचारों पर केन्द्रित फिल्म 'इनफिनिट पॉसिबिलिटीज इन एमपी' का प्रदर्शन किया जाएगा। प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेंद्र कुमार सिंह राज्य में उपलब्ध भूमि, हालिया औद्योगिक नीतियों और निवेश की दिशा में उठाए गए प्रभावी कदमों पर एक विशेष प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर उन उद्योगपतियों के अनुभव भी साझा किए जाएंगे।

न्यूज इन शॉर्ट

सार्थक ऐप पर फर्जी उपस्थिति दर्ज करने वाले 6 अतिथि विद्वानों का आमंत्रण निरस्त

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार के निर्देश पर उच्च शिक्षा विभाग ने विदिशा जिले के गंजबासौदा स्थित शासकीय कन्या महाविद्यालय में आमंत्रित 6 अतिथि विद्वानों को, सार्थक ऐप पर छेड़खानी कर फर्जी उपस्थिति दर्ज करने के कारण तत्काल प्रभाव से सेवामुक्त कर दिया है। ये अतिथि विद्वान संस्था में न होकर, अन्यत्र स्थान से अमर्यादित रूप से सार्थक ऐप पर उपस्थिति लगाते हुए पाए गए। उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने अतिथि विद्वानों द्वारा शैक्षणिक परिवेश को दूषित करने को गंभीरतापूर्वक लेकर, विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे। उक्त निर्देश के अनुपालन में, उच्च शिक्षा विभाग ने इन अतिथि विद्वानों के आमंत्रण को तत्काल निरस्त करने के निर्देश जारी किए है। फर्जी उपस्थिति दर्ज करने वाले इन अतिथि विद्वानों में प्रकाश चंद मौर्य, हेमंत कुमार अहिरवार, हेमंत कुमार सक्सेना, सूर्यकांत शर्मा, डॉ. सरताज मंजू पर्रे एवं संजय कुमार राय हैं।

रेडियोग्राफर एवं लेब टेक्नीशियन पदों की काउंसलिंग 1 जुलाई से

भोपाल। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल, भोपाल द्वारा आयोजित संयुक्त भर्ती परीक्षा वर्ष 2024 (समूह-5) के अंतर्गत पद कोड-01 रेडियोग्राफर एवं पद कोड-02 लेब टेक्नीशियन के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इन पदों पर चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों के सत्यापन एवं नियुक्ति की प्रक्रिया के लिये काउंसलिंग 1 जुलाई से प्रारंभ की जा रही है। परीक्षा में उत्तीर्ण समस्त अभ्यर्थियों को काउंसलिंग संबंधी सूचना मोबाइल नंबर एवं ई-मेल पते पर भेजी जाएगी। काउंसलिंग से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश एवं समय-सारणी स्वास्थ्य विभाग, मध्यप्रदेश शासन की आधिकारिक वेबसाइट https://health.mp.gov.in पर उपलब्ध कराई गई है। सभी अभ्यर्थियों से अपेक्षा है कि वे समय पर एवं आवश्यक दस्तावेजों सहित काउंसलिंग स्थल पर उपस्थित रहें, जिससे उनकी नियुक्ति प्रक्रिया में कोई असुविधा न हो।

एमपी ट्रांसको में विभिन्न पदों पर चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज़ सत्यापन 1 जुलाई से

भोपाल। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (एमपी ट्रांसको) द्वारा कनिष्ठ अभियंता (पारेषण-प्रशिक्षु) एवं लाइन परिचारक (प्रशिक्षु)-2024 के पदों पर चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया 1 जुलाई से प्रारंभ होगी। यह प्रक्रिया 3 जुलाई 2025 तक चलेगी। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता अतुल जोशी ने बताया कि सत्यापन प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से एमपी ट्रांसको मुख्यालय, शक्तिभवन, ब्लॉक-2, मुख्य अभियंता (मानव संसाधन एवं प्रशासन) कार्यालय, जबलपुर में किया जाएगा। उम्मीदवारों द्वारा ऑनलाइन आवेदन के साथ अपलोड किए गए प्रमाण पत्र, अंकसूचियाँ एवं अन्य दस्तावेज़ों का परीक्षण उनकी मूल प्रतियों से किया जाएगा। इसके लिए तीन दल गठित किए गए हैं, जो दस्तावेजों का प्रारंभिक सत्यापन करेंगे। तत्पश्चात, इन दस्तावेज़ों का अंतिम परीक्षण अधीक्षण अभियंताओं द्वारा किया जाएगा। सभी चयनित अभ्यर्थियों को दस्तावेज़ सत्यापन के संबंध में व्यक्तिगत रूप से सूचना प्रदान की जा चुकी है।

वन विभाग द्वारा एक करोड़ 24 लाख से अधिक पौधे किये गये रोपित

भोपाल। जल गंगा संवर्धन अभियान में वन विभाग द्वारा वन क्षेत्रों में एक करोड़ 24 लाख 70 हजार 808 पौधे रोपित किये गये। वन विभाग की विभिन्न शाखाओं द्वारा बेम्बू मिशन में 26 हजार, कैम्पा में एक करोड़ 13 लाख 7 हजार 575, डेवलपमेंट में 2 लाख 59 हजार 563, फेडरेशन में एक लाख 10 हजार 170, ग्रीन इण्डिया मिशन में एक लाख 15 हजार 620 और अनुसंधान एवं विकास के अंतर्गत 21 हजार 880 पौधे रोपित किये गये।

कर्तव्यनिष्ठा, संवेदनशीलता एवं पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें: शुक्ल

- चिकित्सा महाविद्यालयों से जुड़े 876 बंधपत्रधारी स्नातकोत्तर चिकित्सकों की पदस्थापना के आदेश जारी

विजय मत, भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि सरकार का लक्ष्य है कि हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। प्रदेश में नियमित चिकित्सक भर्ती प्रक्रिया, चिकित्सा महाविद्यालयों की क्षमता वृद्धि तथा स्वास्थ्य संस्थानों के अधोसंरचना विकास के कार्य भी निरंतर प्रगति पर हैं। इसी क्रम में 876 बंधपत्रधारी विशेषज्ञ डॉक्टरों की पदस्थापना की गई है, जिससे चिकित्सकीय संसाधनों को मजबूती मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने पदस्थ सभी चिकित्सकों से अपेक्षा व्यक्त की है कि वे कर्तव्यनिष्ठा, संवेदनशीलता एवं पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, जिससे जनसाधारण को श्रेष्ठ और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकें। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के शासकीय एवं निजी चिकित्सा महाविद्यालयों से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पूर्ण कर चुके 876 बंधपत्रधारी चिकित्सकों की पदस्थापना की गई है। यह पदस्थापनाएँ चिकित्सकों द्वारा स्नातकोत्तर प्रवेश के समय प्रस्तुत अनिवार्य सेवा बंधपत्र के अनुक्रम में की गई हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान

खेत-तालाब, अमृत सरोवर से 1.67 लाख हेक्टेयर से अधिक में होगी सिंचाई, खिलेंगे किसानों के चेहरे

विजय मत, भोपाल

प्रदेश के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा पानी मिले, साथ ही सिंचाई के रकबे में भी बढ़ोत्तरी हो, इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सिंचाई के क्षेत्र में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान में मनरेगा योजना से बनाए जा रहे 84 हजार 930 खेत तालाब और 1 हजार 283 अमृत सरोवर से प्रदेश में 1 लाख 67 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में सिंचाई होगी। इससे प्रदेश में सिंचाई के रकबे में बढ़ोत्तरी होगी और किसानों के चेहरे खिल उठेंगे। यह अभियान मुख्यमंत्री डॉ. यादव के 65 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में सिंचाई के रकबे को बढ़ाने के लक्ष्य में मददगार होगा।

सीएम डॉ. यादव ने बारिश की हर बूंद सहेजने, पुराने जल स्त्रोतों का पुनरुद्धार करने और जल संरक्षण के लिए नई संरचनाओं का निर्माण करने के लिए तीन माह तक निरंतर चले जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रदेश में असर भी दिखाई देने लगा है। स्थिति यह है कि प्रदेश में वर्षा जल के संचयन के लिए तीन माह में 84 हजार 930 खेत-तालाब बनाए जा रहे हैं। इसमें से कई खेत-तालाबों का निर्माण कार्य पूरा भी हो गया है। इसी तरह से प्रदेश के सभी जिलों में 1 हजार 283 अमृत सरोवर भी बनाए जा रहे हैं, जिनका निर्माण कार्य भी जारी है। सिंचाई व पीने के पानी के लिए बनाए गए अधिकांश कुओं का जलस्तर भी घट गया है। कुछ कुएं तो सूख भी गए हैं। ऐसे में कुओं को दोबारा नया जीवन दिया जा सके, इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा 1 लाख 3 हजार से अधिक रिचार्ज पिट बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

जयस पार्टी के प्रदेश सचिव राजेश कुमार सरठिया समेत जनप्रतिनिधियों ने ली भाजपा की सदस्यता

विजय मत, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद के समक्ष शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में अनूपपुर जिले की पुष्पराजगढ़ विधानसभा के जयस पार्टी के प्रदेश सचिवराजेश कुमार सरठिया, जनपद सदस्य नेमा सिंह मार्को, पूर्व जनपद सदस्य धनीराम सिंह मरावी, ग्रामसभा अध्यक्ष जगदीश सिंह धुर्वे, सरपंच महेन्द्र सिंह परस्ते, पूर्व पंच, सरपंच सहित 31 से अधिक जयस के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने सदस्यता ग्रहण कराते हुए कहा कि हमारी पार्टी के लिए गर्व की बात है कि भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विकास कार्यो से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में अन्य दलों के लोग भाजपा परिवार से जुड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारे परिवार का निरंतर विस्तार हो रहा है।

बीजेपी की तानाशाही और साजिश का पर्दाफाश जीतू पटवारी पर फर्जी एफआईआर की कड़ी निंदा

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अशोकनगर में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ 26 जून 2025 को दर्ज फर्जी एफआईआर की कड़े शब्दों में निंदा करती है। यह एफआईआर न केवल बीजेपी की तानाशाही और विपक्ष को कुचलने की साजिश को उजागर करती है, बल्कि पीड़ितों की आवाज को दबाने और सच्चाई को झूठ के नीचे दफन करने की उनकी घिनौनी रणनीति का जीता-जागता सबूत है। बीजेपी और मोहन यादव सरकार का यह कृत्य लोकतंत्र पर काला धब्बा है, जिसे मध्यप्रदेश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। पूरा मामला अशोकनगर जिले के मूड़रा बरवाह गांव का है, जहाँ 10 जून 2025 को गजराज लोधी और रघुराज लोधी ने आरोप लगाया कि स्थानीय सरपंच के पति और उनके साथियों ने उनकी मोटरसाइकिल छीनी, उनके साथ मारपीट की, और अमानवीय रूप से उन्हें मानव मल खाने के लिए मजबूर किया। इस जघन्य अपराध की शिकायत लेकर पीड़ितों ने उसी दिन, 10 जून 2025 को जनसुनवाई कार्यक्रम में अशोकनगर कलेक्टर से मुलाकात की, लेकिन उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस घटना की गंभीरता को देखते हुए, यह मामला 11 जून 2025 को पत्रिका अखबार के पहले पन्ने पर प्रमुखता से छपा, जिसमें मल खिलाने और पीड़ितों में से एक के आत्मदाह की कोशिश की खबर ने पूरे प्रदेश में सनसनी फैला दी। यह खबर बीजेपी सरकार और स्थानीय प्रशासन की निष्क्रियता को उजागर करती थी। जनसुनवाई में कलेक्टर से शिकायत और मीडिया में चर्चा के 10 दिन बाद, यानी 25 जून 2025 को, पीड़ितों ने मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी से ओरछा में मुलाकात की। यह स्पष्ट करता है कि पीड़ितों ने स्वतः अपनी शिकायत को पहले कलेक्टर और फिर मीडिया के सामने उठाया था, और पटवारी के कहने पर उन्होंने कोई आरोप नहीं लगाए।

सांची नारियल पानी का प्रयोग हुआ फेल, 2 हजार से ज्यादा बोतलें हुई एक्सपायरी, खत्म होगा अनुबंध

भोपाल। अक्टूबर 2024 में भोपाल दूध संघ ने भोपाल में सांची नैचुरल नारियल पानी बाजार में उतारा था। लेकिन भोपाल की जनता ने इसे पसंद नहीं किया और दुग्ध संघ को भारी नुकसान हुआ है। हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि 2 हजार से ज्यादा बोतलें एक्सपायरी हो गई हैं। दुग्ध संघ कि अधिकारियों का कहना है कि कहना है कि एक भी बोतल के ग्राहक नहीं मिलते हैं। इसी कारण पार्लर संचालक इसे लेने से इन्कार कर रहे हैं। जानकारी के लिए बता दें कि सांची का यह उत्पाद (नारियल पानी) तमिलनाडु के पोलाची संयंत्र से पैक होकर आता है।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल में विभिन्न संकायों के परीक्षा परिणाम घोषित

विजय मत, भोपाल

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने शैक्षणिक कैलेंडर का पालन करने, समय पर परीक्षा परिणाम जारी करने के लिए, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। संस्थान के सामान्य परिषद के अध्यक्ष परमार ने परीक्षा में सफल सभी विद्यार्थियों को भी बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल में शनिवार को, संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ महिपाल सिंह यादव, परीक्षा शाखा के सभी अधिकारियों एवं सभी विभाग अध्यक्षों की उपस्थिति में परीक्षा परिणाम समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत स्नातक द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर तथा स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है। संस्थान के संचालक डॉ. प्रज्ञेश अग्रवाल ने बताया कि बीए द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम 87.72 प्रतिशत, चतुर्थ सेमेस्टर का 94.79 प्रतिशत, बीकॉम द्वितीय सेमेस्टर का 90.83 प्रतिशत, चतुर्थ सेमेस्टर का 97.61 प्रतिशत, बीएससी द्वितीय सेमेस्टर का 85.75 प्रतिशत, चतुर्थ सेमेस्टर का 93.60 प्रतिशत, बीपीईएस द्वितीय सेमेस्टर का 100 प्रतिशत, चतुर्थ सेमेस्टर का 66.66 प्रतिशत, बीबीए द्वितीय सेमेस्टर का 90.69 प्रतिशत, चतुर्थ सेमेस्टर का 100 प्रतिशत तथा स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर का 94.42 प्रतिशत रहा है।

विजय मत एंकर

सीएमएचओ डॉ. शर्मा ने ली टीबी मरीज के पोषण आहार की जवाबदारी

टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा बैठक में दिए सौ फीसदी नोटिफिकेशन के निर्देश

विजय मत, भोपाल

सघन टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा बैठक जिला क्षय केंद्र में आयोजित हुई। बैठक में सीएमएचओ भोपाल डॉ. मनीष शर्मा ने क्षय उन्मूलन जागरूकता अभियान, परीक्षण, संभावित टीबी मरीजों का स्पूटम कलेक्शन, निक्षय पोर्टल पर प्रिजम्प्टिव आईडी तैयार करना, डॉट्स की उपलब्धता, उपचार सहायता, निक्षय पोर्टल पर पंजीकरण की समीक्षा की।

डॉ. शर्मा ने टीबी मरीज को फूड बास्केट देकर पोषण की जवाबदारी भी ली। बैठक में जिला क्षय अधिकारी डॉ. प्रांजल खरे, मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी, अनुविभागीय चिकित्सा अधिकारी, जिला एवं विकासखंड के प्रबंधकीय स्टाफ सहित टीबी सुपरवाइजर एवं मैदानी स्टाफ उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान सीएमएचओ डॉ. शर्मा ने निर्देश दिए कि टीबी नोटिफिकेशन 100 प्रतिशत किए जाएं। श्रमिक वर्ग और अन्य संवेदनशील वर्गों तक इस अभियान का अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और स्वास्थ्य केंद्रों के साथ साथ प्रमुख सार्वजनिक स्थानों जैसे रेलवे, बस स्टेशनों, कारखानों, उद्योगों, ईंट भट्टों, निर्माण स्थलों, क्रेशरों इत्यादि पर शिविर लगाए जाएं। साथ ही पंचायतों, शहरी स्थानीय निकायों, स्वसहायता समूहों, जन आरोग्य समिति, महिला आरोग्य समिति, ग्राम स्वास्थ्य पोषण एवं स्वच्छता समिति के साथ मिलकर जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन, नए निक्षय मित्रों और टीबी चैंपियंस/विजेताओं की पहचान किए जाने के निर्देश दिए गए।

टीबी के उपचार के साथ-साथ मरीजों के पर्याप्त पोषण के लिए निक्षय मित्रों को भी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जाए। सघन टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत उच्च जोखिम वाले मरीजों की स्क्रीनिंग, जांच, और उपचार प्रदान की जा रही है। अभियान में मधुमेह के मरीजों, कुपोषित, धूम्रपान करने वाले, शराब सेवन करने वाले, पूर्व टीबी मरीज, संपर्क व्यक्ति और एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों को लक्षित किया जा रहा है। लक्षण वाले मरीजों में NAAT एवं एक्स-रे जैसी आधुनिक तकनीकों से जांच की जा रही है।

गुना का गुलाब पेरिस और लंदन में महकेगा

- किसानों को एक्सपोर्ट के लिए किया जा रहा है तैयार

विजय मत, भोपाल

गुलाबों की नगरी के रूप में देश में नई पहचान बनाते जा रहे गुना के किसानों की मेहनत को मध्यप्रदेश सरकार के सहयोग से नई उड़ान मिलने जा रही है। अभी गुना के 20-25 किसान उद्यानिकी विभाग और एनबीसी के सहयोग से गुलाब की खेती कर, गुलाबी नगरी जयपुर और देश की राजधानी दिल्ली में अपनी पहचान बना रहे हैं। गुना के गुलाब को लंदन और पेरिस तक पहुंचाने के प्रयास प्रारंभ हो गए हैं। जल्दी ही इसकी महक लंदन और पेरिस के बाजार में बिखरेगी।

राज्य शासन उद्यानिकी (फ्लोरी-कल्चर) के माध्यम से किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है। इसी कड़ी में गुना के गुलाब को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम एमपीआईडीसी भी आगे आ गया है। आगामी 16 जुलाई एमपीआईडीसी एक्सपर्टस् की टीम गुना का भ्रमण करेगी।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा जेयन ऑफसेट वर्क्स, 119 इनारा हाऊस रायसेन रोड भोपाल-462023 म.प्र. से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित, संपादक-सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला मो.-8889977997
आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2015/66998, (*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। Email-vijaymat.bhopal@gmail.com